मासिक
jaihaatkesh.com

जय हाटकेश वाणी

अप्रैल 2017 वर्ष : 12 अंक : 01

हाटकेश्वर जंयती

चरण सेवक

पं. श्री कमलकिशोरजी नागर

पं. प्रभुजी नागर

सेमली आश्रम, शाजापुर

एक साल की

'पूर्वी'

प्रथम जन्मदिन का समारोह

24 मार्च 2017

को प्रेम बंधन गार्डन में सम्पन्न हुआ, जिसमें रिश्तेदारों, समाजजनों, इष्ट मित्रों ने पूर्वी (सुपुत्री- सौ.पूजा-विशाल शर्मा) को आशीर्वाद प्रदान किए। बधाई

शुभाकांक्षी : (दादा-दादी)- सुरेन्द्र शर्मा-सौ.शीला शर्मा, भाई- आर्य शर्मा एवं समस्त शर्मा परिवार
नाना-नानी- भरत रावल-सौ.निर्मला रावल एवं समस्त रावल परिवार

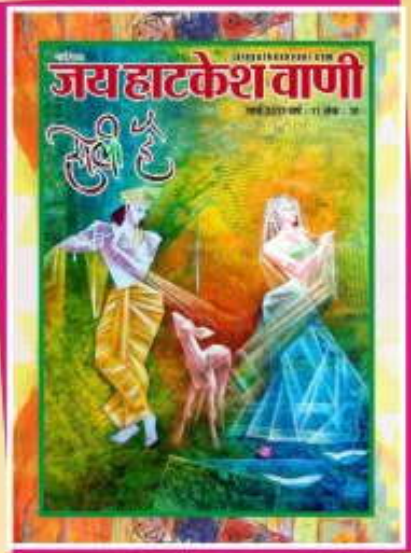

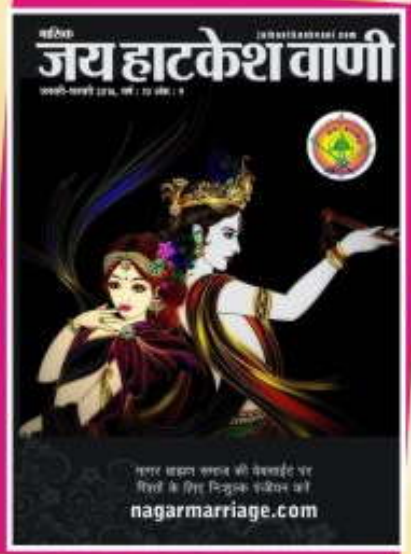

समाज की लोकप्रिय पत्रिका जय हाटकेश वाणी के माध्यम से समस्त गुरुजनो के आशीर्वाद भी लेते रहें , सबकी प्रिय जय हाटकेश वाणी पत्रिका के 10 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई, शुभकामनाएं। इसी प्रकार जय हाटकेश वाणी समाज के उत्थान एवं विकास के लिए निरंतर सहयोग प्रदान करती रहे।

बधाई कर्ता- **दिनेश शर्मा परिवार**

एवं नागर समाज इटावा।

सौजन्य - श्री राधाकृष्ण स्टोन क्रेशर

अर्पित दिनेश शर्मा, इटावा तह तराना जिला उज्जैन

संस्थापक

श्री शिवप्रसादजी शर्मा श्रीमती प्रभा शर्मा

प्रेरणा स्त्रोत

श्री गोवर्धनलालजी मेहता श्री विष्णुप्रसादजी नागर

संरक्षक

पं.श्री कमलकिशोर नागर, सेमली
पं.श्री आर.के.झा, कोलकाता
पं.श्री पुरुषोत्तम (परेश) पी.नागर, मुम्बई
पं.श्री महेन्द्र नागर, बैंगलौर
पं.श्री नवरत्न व्यास, हैदराबाद
पं.श्री हरिप्रसाद नागर, अकलेरा
पं.श्री सुभाष व्यास, भोपाल
पं.श्री ओमप्रकाश मेहता, भोपाल
पं.श्री सुनील मेहता, उज्जैन
पं.श्री सुरेन्द्र मेहता (सुमन) उज्जैन
पं.श्री कृष्णानंद मेहता, खण्डवा

प्रधान सम्पादक
सौ.संगीता दीपक शर्मा

सम्पादक
सौ.दिव्या अमिताभ मंडलोई
सौ.दमिता नवीन झा
सौ.आभा विजयशंकर मेहता

विज्ञापन
पवन शर्मा-9826095995

झरोखा

नागर तीर्थयात्रियों की पूर्वी भारत यात्रा 10

कॅरियर गाइडेंस सेमिनार 12

बैठक तथा सम्मान समारोह 20

श्री सुनील मेहता का मुख्यमंत्री द्वारा सम्मान 25

जय हाटकेश वाणी

सम्पर्क- अवन्तिका परिसर, 20, जूनी कसेरा बाखल, (खजूरी बाजार), इन्दौर-452002
मो. 9009590930, 9926285002

मूल्य 10/- रुपये

website : www.jaihaatkeshvani.com, / E-mail : jayhotkeshvani@gmail.com / manibhaisharma@gmail.com

युवाओं को समाज से जोड़ने की पहल

आमतौर से समाज संगठनों की यह शिकायत एवं चिंता है कि युवा समाज की गतिविधियों से नहीं जुड़ रहे हैं तथा यही स्थिति बनी रही तो भविष्य में समाज का कर्णधार कौन होगा? चिंता एवं चिंतन अपनी जगह है लेकिन इस दिशा में क्या प्रयास किए जा रहे हैं यह महत्वपूर्ण है, श्री हाटकेश्वरधाम एवं जय हाटकेश वाणी के तत्वावधान में तथा आयएएस श्री विनोद कुमारजी मंडलोई की स्मृति में कॅरियर गाईडेंस सेमिनार का आयोजन किया गया। इस तरह के आयोजन युवाओं को कॅरियर चुनने में तो सहयोग कर ही सकते हैं, भविष्य में उन्हें समाज संगठन हेतु भी सक्रिय किया जा सकता है। समाज की नई पीढ़ी को समाज अपने स्तर पर यथासंभव सहयोग करें, वह केवल मार्गदर्शन तक सीमित न रहे, उससे आगे भी उन्हें जो सहयोग चाहिए वह हमें करना चाहिए, क्योंकि उन्नति के लिए शिक्षा के अलावा कोई उपाय नहीं है। आज हम विवाह समारोह या अन्य कार्यक्रमों में पैसों की बर्बादी कर रहे हैं उसको रोककर हम वह पैसा शिक्षा हेतु दें। जब समाज युवाओं के हित में काम करेगा तो निश्चित रूप से युवा भी समाज के काम में जुड़ेंगे, इस दिशा में उज्जैन में सुखद शुरुवात हुई है, इस कार्य को प्रत्येक नागर बहुल नगर-ग्राम में करना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों ने उज्जैन के कार्यक्रम में उत्साह वर्द्धक उपस्थिति दर्ज कराई है। भविष्य में और भी नगरों में ऐसे आयोजन करने के प्रस्ताव मिले। उज्जैन में श्री हाटकेश्वर धाम में आयोजित सेमिनार में ज्योतिष विधा की भी दो हस्तियां उपस्थित रही, जिन्होंने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से कहा कि कॅरियर चुनने से पहले जन्म पत्रिका दिखाकर तय कर लें कि किस क्षेत्र में उन्हें यश एवं समृद्धि मिलने की सम्भावना है। वास्तव में इन सब चीजों का भी अपना महत्व है। अतः विद्यार्थियों को खासकर जो 9वीं, 10वीं की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं, उन्हें सही राह दिखाना हमारा कर्तव्य है... मार्गदर्शन हम कर सकते हैं मार्ग पर चलना उन्हीं को है, लेकिन समाज से उन्हें जो सहयोग मिलेगा वह चिरस्मरणीय होकर उन्हें समाज सेवा की ओर आकर्षित करने का माध्यम बन सकता है।

-सम्पादक

सदस्यता-नवीनीकरण आवेदन पत्र

मैं .....

डाक का पूरा पता (पिनकोड सहित) .....

.....

मासिक **जय हाटकेश वाणी** का आजीवन सदस्य बनना चाहता हूँ। जिसके लिए निर्धारित आजीवन सदस्यता शुल्क 550 रु. नगद/चैक/ड्राफ्ट या आपके बैंक अकाउंट द्वारा निम्नलिखित पते पर भेज रहा हूँ। मैंने यह शुल्क आपके खाते 'जय हाटकेश वाणी' केनरा बैंक शाखा एम.जी. रोड, (गोराकुण्ड) इन्दौर में खाता क्रमांक - 0325201004027 में जमा किया है।

सम्पर्क- **जय हाटकेश वाणी**, 20 जूनी कसेरा बाखल (खजूरी बाजार), इन्दौर-452002 मो. 9926285002, 9926563129 www.jaihaatkeshvani.com

E-mail : jayhotkeshvani@gmail.com / manibhaisharma@gmail.com

फिर कृपा बरसा दो भगवान श्री हाटकेश्वर

ऐसी मान्यता है कि नागर ब्राह्मणों की उत्पत्ति भगवान शिव के सिर से गिरे अक्षत से हुई थी तथा कालांतर में भगवान हाटकेश्वर (हाटक का अर्थ है सोना) नागर ब्राह्मणों को स्वर्ण मुद्राएँ उनके जीविकोपार्जन हेतु दिया करते थे। ये अयाचक ब्राह्मण थे, अर्थात किसी से भिक्षा आदि नहीं लेते तथा पूजा-पाठ एवं शास्त्रों का प्रसार करते थे। श्रीमद् भगवद् गीता में जो वर्णाश्रम व्यवस्था दी गई है उस अनुसार ब्राह्मणों का कार्य धर्म का प्रचार एवं पूजा-पाठ का ही है।

हम देख रहें है कि शनैः शनैः ईश्वर पर भरोसा कम होता जा रहा है तथा प्रत्येक कर्म पर हम अपना अधिकार जता कर स्वयंभू बनते जा रहे हैं तथा इस प्रक्रिया से इंसान ने अपना चैनो-सुकून तो खो ही दिया है, वह भौतिक दौड़ में ऐसे लगा है मानो यही उसकी राह है यही मंजिल है।

ऐसा कहा जाता है कि राजा द्वारा षडयंत्रपूर्वक दान देने की वजह से भगवान द्वारा स्वर्ण मुद्रा देने की प्रक्रिया बंद हो गई, बाद में धीरे-धीरे नागर ब्राह्मण धर्म के प्रचार से तो दूर धर्म से ही दूर होते गए। दरअसल सारा किस्सा विश्वास (भरोसे) का है अगर हम नई पीढ़ी को उपरोक्त बात बताएंगे तो वे हंसेंगे... मजाक बनाएंगे कि कहीं ऐसा होता है कि भगवान स्वर्ण मुद्राएं देते होंगे। ऐसी मजाक बनाने वाले तो यह भी कह सकते हैं कि गुजरात के जुनागढ़ में नागर समाज के श्री नरसि भक्त की बेटी नानीबाई का मायरा भगवान श्री कृष्ण ने कैसे किया होगा, लेकिन इतिहास में वर्णित बातें तथ्य परक एवं वैज्ञानिक कसौटियों पर खरी उतरी है, जहाँ वे आश्चर्यजनक घटनाएं हुई है वे स्थान आज भी मौजूद है तथा वहाँ की दिव्यता इन घटनाओं की साक्षी है। दरअसल विश्वास की कमी ही सब खराबियों की जड़ है। हम देख रहें है कि शनैः शनैः ईश्वर पर भरोसा कम होता जा रहा है तथा प्रत्येक कर्म पर हम अपना अधिकार जता कर स्वयंभू बनते जा रहे हैं तथा इस प्रक्रिया से इंसान ने अपना चैनो-सुकून तो खो ही दिया है, वह भौतिक दौड़ में ऐसे लगा है मानो यही उसकी राह है यही मंजिल है। बदला कुछ भी नहीं है केवल इंसान बदल गया है, आज भी अगर वह अपना विश्वास इतना बढ़ा ले तो इसे भगवान हाटकेश्वर आज भी स्वर्ण मुद्रा दे सकते हैं। हमने अपनी दिशा बदली और दशा अपने आप बदल गई। हम अगर भौतिकता की दौड़ में लगे हैं तो अपनी संतान को भी यही संस्कार दे रहे हैं। वह हमसे एक कदम आगे हैं, हम इतिहास में दर्ज घटनाओं को मानते हैं और वे उसका मजाक तक बना देते हैं। वास्तव में देखा जाए तो मनुष्य जीवन का मकसद शांति और मोक्ष है, ये उद्देश्य तो कहीं पीछे छूट गए और हमने पाश्चात्य वादी संस्कृति के पीछे भागकर मौज-मस्ती को अपने जीवन का मकसद बना लिया है।

भगवान और हमारे बीच होती जा रही दूरियों को हमें पाटना पड़ेगा। कर्म के साथ धर्म को आत्मसात करना पड़ेगा। इतिहास में दर्ज घटनाओं की पुनरावृत्ति के लिए हमें अपने दैनंदिन कार्यों एवं गतिविधियों के साथ अध्यात्म से जुड़ना ही पड़ेगा। हमें यह प्रयास करना पड़ेगा कि भगवान हाटकेश्वर की जो दिव्य कृपा हमारे पूर्वजों पर हुई थी उससे कम ही हमारे ऊपर हो जाए। जीविकोपार्जन तो हम आज आसानी से अपने बलबूते पर कर पा रहे हैं, लेकिन मोक्ष बगैर ईश्वर कृपा के नहीं मिलेगा। अतः हम इस हाटकेश्वर जयंती पर संकल्प लें कि हम भक्ति करके भगवान की कृपा प्राप्त करेंगे तथा शांति एवं मोक्ष पाना हमारा उद्देश्य होगा।

-संगीता दीपक शर्मा

वागड़ में विकसित होता तीर्थराज सर्वेश्वर महादेव

सर्वेश्वर महादेव मंदिर परसोलिया के जीर्णोद्धार और विकास के सपने हमने देखे, सभी न्यासियों ने देखे यही नहीं वडनगरा नागर समाज बांसवाड़ा ने भी देखे मगर अपनी छोटी सी चादर के बाहर पैर पसारे भी तो कैसे? बांसवाड़ा से परसोलिया की दूरी भी तो 25-30 कि.मी. है जहाँ बांसवाड़ा-डूंगरपुर की बसें पास होती थी और कोई भी व्यक्ति कभी भी अपनी आस्था के सुमन अर्पण करने तथा माही गंगा में स्नान का संकल्प पूरा कर लेता था। मंदिर में पूजा, पाठ, भजन कीर्तन, रुद्री के पश्चात् लड्डूओं का भोग लेकर प्रसाद पाता था। माही में बांध के पानी के कारण दोनों घाटों से अलग-अलग बसों का संचालन होता था और नदी नाव से पार की जाती थी। मगर वहां पुल निर्माण के स्थान पर बसों के संचालन का मार्ग ही बदल दिया गया और चाहकर भी भक्तगण वहाँ पहुँच नहीं पाते थे और धीरे-धीरे प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण यह स्थान उपेक्षित होता गया।

दैविक शक्तियाँ अपने चमत्कारों से लोगों में प्रेरणा भर ही देती है। इसी माही गंगा के घाट पर सद्गुरु केशवाश्रमजी महाराज के चरणचिन्ह एक शिला पर अंकित हो गए जब उन्होंने अपने निर्वाण हेतु गोता लगाया था। इसी कारण उस मंदिर को वहाँ पर पगलाजी का मंदिर भी संबोधित करते हैं। जनसहयोग एवं विधायक निधि से वहाँ पर दो घाटों का जीर्णोद्धार हुआ, जिससे सैकड़ों, हजारों की संख्या में लोग वहाँ स्नान का पुण्य लाभ ले सकते हैं। आस्था जब हिलौरे लेने लगती है तो भक्तों का भरोसा अपनी चादर पर नहीं वरन् गुरुवर की महिमा एवं सामर्थ्य पर हो जाता है। अभी 2009 में स्थानीय लोगों को मिलाकर नए ट्रस्ट मंडल की स्थापना की थी, मगर वह भी छोटा दिखाई देने लगा और स्थानीय लोगों के सहयोग से 3 करोड़ के बजट से भव्य मंदिर बनाने का ब्ल्यू प्रिन्ट तैयार किया गया। मंदिर के नवश्रृंगार में 48 पीलरों पर मंदिर को स्थापित करना प्रस्तावित है। तकनीकि विशेषज्ञों, वास्तुविदों और इंजीनियरों की राय पर गहरी खुदाई की गई मगर नीचे चट्टान के संकेत 30-35 फीट नीचे ज्ञात हुए, जहाँ जेसीबी लगा कर खुदाई गहरी की गई। अब यह पूरा गड्ढा पत्थरों और सीमेंट गिट्टी से पाटा जा रहा है और 23 अप्रैल 2017 तक शिला पूजन के पश्चात् वहाँ लगाने प्रारंभ होंगे जिसकी तैयारी चालू कर दी गई है।

मंदिर का निर्माण बंशी पहाडपुर पत्थरों से किया जाना है और ये वही पत्थर है जो अमेलिया गणेश मंदिर और त्रिपुर सुन्दरी माता मंदिर में किया गया है। मंदिर के शिल्पी अरविन्द मालवी का पूर्ण मार्गदर्शन भक्तों को मिल रहा है। मंदिर जीर्णोद्धार समिति के संयोजक पूर्व विधायक रमेशचन्द्र पंड्या, डॉ.दिनेश भट्ट, मेघराज पाटीदार के प्रमुख कीर्तिश भट्ट शीला पूजन की तैयारी के साथ-साथ समाज के सभी लोगों से सम्पर्क कर रहे हैं। नागर समाज के अध्यक्ष दिलीप दवे, रिटायर्ड इंजीनियर श्री ललित किशोर त्रिवेदी और जयप्रकाश याज्ञिक भी अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। निरंतर चलने वाली इस प्रक्रिया से 2 वर्षों में इसे भक्तों के लिए खोल दिए जाने का अनुमान है। संत और गुरुजन किसी जाति सम्प्रदाय काल और स्थल से बंधा नहीं रहता है सुदूर दक्षिण में कर्नाटक में जन्मे चन्द्रशेखर परमहंस दिगम्बर अवस्था में रहने से बांसवाड़ा से निष्कासित हुए मगर उनके प्रभाव और चमत्कारों ने उन्हें वापस आमंत्रित किया। 1880 में बांसवाड़ा महारावल लक्ष्मणसिंह ने उनका शिष्यत्व स्वीकार किया और पूरे बांसवाड़ा को पाट दिया। नागर समाज का हाटकेश्वर मंदिर और परसोलिया का सर्वेश्वर महादेव मंदिर उसी कड़ी के मोती है। जब कार्य आरम्भ किया था तो यह विचार एक दिवास्वप्न ही लगता था, मगर गुरुदेव स्वयं जब किसी के हृदय में प्रेरणा बनकर उभर जाते हैं तो सभी एकलव्य बनकर धनुर्विद्या सीख जाते हैं और गुरु द्रोणाचार्य को अपना अंगूठा गुरुदक्षिणा में देकर भी श्रेष्ठ धनुर्धर ही रहता है और अपने गुरु का मस्तक कभी नीचे नहीं होने देता है बांसवाड़ा डूंगरपुर मार्ग पर यह सर्वेश्वर महादेव का मंदिर दो-दो घाटों से जुड़ा हुआ तीर्थराज सिद्ध होगा।

-प्रमोदराय झा
कुबरिया चौक, नागरवाड़ा, बांसवाड़ा

महाशिवरात्रि पूजन धूम धाम से संपन्न

नागर ब्राह्मण समाज जयपुर ने बाबा हाटकेश मंदिर में चारों प्रहर रात्रि पूजन सस्वर रूद्र पाठ पंडितो द्वारा कराकर शिवरात्रि महोत्सव धूमधाम से मनाया। सचिव अजय नागर ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी शिवरात्रि के दिन रात्रि में चारों प्रहर पूजन किया गया। जिसमें समाज के ट्रस्टी श्री महेंद्र कुमार नागर, राधेश्याम टेकचंद नागर, मदन मोहन नागर, मृत्युंजय त्रिवेदी, डॉ पियूष मेहता, जयकांत नागर, उमाशंकर नागर, राधेश्याम नागर, कृष्णावतार नागर, हरीश नागर, आशीष दवे, संजय नागर, प्रदीप रमेश नागर, पलक नान्दी और भी समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि चार प्रहर पूजा में बाबा की पूजा, अभिषेक और रूद्र पाठ किया गया। जिसमें हर प्रहर पर पुन: पूजा की गयी। समाज के सभी लोगों ने पूरी रात जागरण कर पूजा की। पूजा में श्री महेंद्र कुमार नागर, प्रदीप रमेश नागर, संजय महेंद्र नागर ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया इनके साथ श्री उमाशंकर दामोदर नागर ने पूजन सामग्री की व्यवस्था अपनी तरफ से की। सभी लोगो के लिए दूध और फलाहार की व्यवस्था की गयी।

नागर गौरव सम्मान समारोह सम्पन्न

रविवार दिनांक 8जनवरी 2017 को बोरडी के कुए का रास्ता स्थित हाटकेश्वर महादेव मंदिर में नागर पंचायती डेरा चेरिटेबल ट्रस्ट व समाज की ओर से आयोजित कार्यक्रम उल्लास-2017 में पूर्व न्यायाधीश श्री विनोदशंकर दवे को नागर समाज में अतुलनीय योगदान के चलते संरक्षक घोषित किया गया। इस मौके पर प्रबंध ट्रस्टी महेंद्रकुमार नागर, ट्रस्टी राधेश्याम नागर, निरंजन नागर, सुधीर नागर, ओमप्रकाश नागर, अरुण नागर और समाज के पूर्व अध्यक्ष घनश्याम नागर, उमाशंकर नागर, हेमशंकर दवे, ओमशंकर दवे एवं वर्तमान कार्यकारिणी सदस्यों के साथ समाज के सभी सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद थे। सचिव अजय नागर ने बताया कि समारोह में समाज में विशिष्ट योग्यता प्राप्त बंधुओं को शाल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर श्री नागर गौरव सम्मान से नवाजा गया। सम्मानित होने वालों में भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी नरसिंहप्रसाद भट्ट, संस्कृत विदुषी डॉ. राजेश्वरी भट्ट, रंगकर्मी अनिरुद्ध दवे व उषा नागर, वरिष्ठ पत्रकार तरुण रावल, कार्टूनिस्ट मनोज त्रिवेदी, ईटीवी के नेशनल हेड आशीष दवे शामिल थे। इसके अलावा 75 वर्ष से अधिक आयु प्राप्त कर चुके वरिष्ठ समाजजनों का भी सम्मान किया गया। जिनमें 101 वर्षीय चमेली देवी, 95 वर्षीय रविशंकर नागर, शांति नागर, मोहनलाल नागर, प्रेम लता मेहता, राधेश्याम नागर, कांता नागर, अनुसुइया नागर, इन्दरलाल नागर, मदन मोहन नागर, श्रीकांत भट्ट, बी एस झा, छाजूलाल नागर, राधेश्याम नागर, पुष्पा नागर, शांतिदेवी नागर, सुरेंद्र मेहता, राजेंद्र नागर, ओ.एन.दवे, रमामूर्ति नागर, राजरानी नागर, कौशल्या नागर, उमा दवे, रविंद्रनाथ नागर, धर्मेंद्र नागर, गोपाल नागर, किशन मेहता शामिल थे। कार्यक्रम में मौजूद कई समाज बंधु समाज के भवन व परिसर के विकास के लिए आगे आए और उन्होने स्वैच्छिक तौर पर आर्थिक व अन्य मदद की घोषणा की जिसका उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। कार्यक्रम के बाद मंदिर परिसर में पौषबड़ा प्रसादी का आयोजन किया गया।

इलाहाबाद की खबरें

प्रथम जन्मोत्सव

इलाहाबाद में चि.शुभ (सुपौत्र- श्री नित्यानन्द नागर एवं श्रीमती सुधा नागर) (सुपुत्र- चि.नितिन नागर एवं श्रीमती नेहा नागर) का प्रथम जन्मोत्सव धूमधाम से दिनांक 18 फरवरी 2017 को मनाया गया।

विवाह प्रसंग

(1) इलाहाबाद निवासी चि. पुनीत नागर (सुपुत्र-स्व.श्री नीरज नागर एवं श्रीमती पूर्णिमा नागर) का विवाह सौ.कोमल के साथ दिनांक 5 फरवरी 2017 को सम्पन्न हुआ।

(2) वाराणसी निवासी चि.अंकित नागर (सुपुत्र- श्री अजीत व्यास एवं श्रीमती मंजू व्यास) का विवाह दिनांक 22 जनवरी 2017 को सम्पन्न हुआ।

(3) इलाहाबाद निवासी चि. वरुण पण्डया (सुपुत्र श्री राजीवकान्त पण्डया एवं स्व.श्रीमती विनीता पण्डया) का विवाह सौ.पल्लवी भट्ट (सुपुत्री- श्री प्रेमशंकर भट्ट) के साथ दिनांक 5 मार्च 2017 को सम्पन्न हुआ।

शिवरात्री उत्सव

इलाहाबाद में श्री हाटकेश्वरनाथजी मंदिर में सभी नागरजनों ने प्रातःकालीन पूजा अर्चना की। सायंकाल अत्यन्त हर्ष और धूमधाम से 24 फरवरी 2017 को ग्यारह वेदपाठी ब्राह्मणों ने प्रथम प्रहर रुद्रीपाठ किया। नागरों का समागम हुआ। सभी ने बाबा के अद्भुत श्रृंगार का दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। तत्पश्चात् रात्रि के शेष तीन प्रहरों का रुद्रीपाठ करके बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

शोक समाचार

(1) इलाहाबाद निवासी श्री प्रयाग नारायणजी दवे (भूतपूर्व अध्यक्ष श्री हाटकेश्वर नाथजी मंदिर ट्रस्ट) का देहावसान दिनांक 7 फरवरी 2017 को हो गया।

(2) इलाहाबाद निवासी श्री अतुल याज्ञिकजी का देहावसान दिनांक 27 फरवरी 2017 को हो गया। आप नागर समाज के अग्रणी व्यक्ति थे।

(3) नई दिल्ली निवासी श्रीमती उर्मिला नागर का देहावसान दिनांक 4 मार्च 2017 को हो गया। आप अखिल भारतीय नागर ब्राह्मण परिषद की सक्रिय सदस्य थीं। नागरों के उत्थान में उनका विशेष योगदान रहा। आप संस्कृत में एम.ए., पी.एच.डी. थीं तथा सीनियर सेकण्डरी स्कूल में प्रधानाचार्य पद से सेवानिवृत्त हुईं।

प्रेषक- नित्यानन्द नागर

नागरवाड़ा में होली और फागोत्सव के 15 दिन

होली और फागोत्सव खेलना है तो नागरवाडा जैसा बांसवाड़ा शहर में पिछले 15 दिनों से चल रहे फागोत्सव का समापन विश्वकर्मा मंदिर सुथारवाड़ा में चल रहा था। आरती के बाद अचानक चर्चा चल पड़ी। नागरवाड़ा के श्री जी मन्दिर से ये 15 दिन कैसे निकल गए पता ही नहीं चला।

चर्चा ऐसी चल रही थी कि सभी ये बातें सुनने को लालायित थे। सभी जानते है कि हमारे देवालय इतने विशाल तो नहीं है कि सभी श्रद्धालु भक्त उसमें बैठकर आनंद ले सके। पर श्री जी मन्दिर भरने के बाद बाहर चबूतरे पर भी रसिक गण मथुरा वृन्दावन जैसी होली का आनंद लेते रहते है। हमें भी उनके सभी देवालयों मे आने से लाभ मिल जाता है। दशकों बीत गए उनके गोवेर्धन नाथ, दुर्लभ विलासी मंदिर, रुद्रेश्वर और केशवाश्रम धर्मशाला के कार्यक्रमों में संकोच वश नहीं जा पाते थे मगर ये होली से लगे ये एकत्रीकरण के प्रयास सभी को सुन्दर मौका देते हैं। मंदिर में भी रंग और गुलाल उडाने से किसी की आँखों को क्षति ना पहुँचे इसलिए उसका प्रयोग मात्र टीका लगाने में करते हैं और फूल की पंखुड़ियों की बारिश करते हैं। मंदिर में टेसू के फूलों का बनाया रंग चाँदी की पिचकारी से प्रतीकात्मक रूप से करते हैं। मंदिर के बाहर पानी का प्रयोग भी करते हैं मगर वर्षों पहले वाली चेहरों को विकृत करने और सिल्वर पेंट का प्रयोग कोई भूल से भी नहीं करता। यही वातावरण पूरे 15 दिनों तक सभी मंदिरों में दिखाई देता है। चतुर भुजधारी तोरण मंदिर, बड़ा रामद्वारा। राधावल्लभजी, द्वारकाधीश जी, शीतला माता, कालका माता, हनुमान और सिद्धि विनायक गणेश मंदिर, आकर्षण के केंद्र रहे। गणेश मंदिर में नागर मण्डली द्वारा प्रस्तुत फागोत्सव का जो जीवंत लेखन समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ उसके लिए डॉ दीपक द्विवेदी की जितनी प्रशंसा की जाय कम है।

कार्यक्रम में अपने स्वरों से जान फूंकने वालो में कमल याग्निक ने आयो फ़ाग उड़न रंग लाग्यो सर आरम्भ किया तो प्रजेंद्र पंड्या होली खेलन आ ये गवरी के गनपत लाल, महेश्वर झा का आयो नन्द गांव से नन्द किशोर के साथ मुकुंद नागर,, गजेन्द्र पंड्या, शिव प्रसाद, सुरेश, शरद, जय प्रकाश, हाटकेश झा, प्रशांत, चेतन, रंजन, मिथिलेश छा गए तो ढोलक पर जलज नागर और हारमोनियम पर सुरेश पंड्या मंजीरों पर जय प्रकाश थे। नागर समाज की यही छबि न केवल बनी रहे मगर दिन प्रति दिन और निखरती जाय इसी शुभे च्छा के साथ

-मंजू झा मोबाइल-09413947938

भावनगर (गुजरात) में शिवरात्री का भावपूर्ण आयोजन

अखिल भारतीय नागर परिषद् की पुनर्गठित भावनगर (गुजरात) शाखा द्वारा शिवरात्री की पूजा अर्चना का भाव-भक्ति पूर्ण आयोजन दिनांक 24-2-2017 को सक्रिय ज्ञाति कार्यकर्ता तथा महिला अग्रणी श्रीमती सौ.मधुबेन पंड्या के निवास 'नीलकंठ' बोर डी गेट पर सम्पन्न हुआ। प्रासंगिक सामुहिक पूजा-अर्चना के अतिरिक्त महिलाओं द्वारा प्रस्तुत स्त्रोतों एवं शिवजी की स्तुति से जुड़ी रचनाओं का समूह पाठ बड़ा ही भावना प्रधान रहा। आरती की सामुहिक प्रस्तुति के पश्चात् प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के समापन पर आईसक्रीम का होना तो गुजरात की विशेषता है। बड़ी संख्या में ज्ञातिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रीमती मधु बेन पंड्या के पति श्रीमान किशोरभाई पंड्या, भावनगर शाखा के उप प्रमुख है।

-अनिल कुमार मेहता
शाखा-प्रमुख अ.भा.ना.प., भावनगर, गुजरात

श्री सुंधा (चामुंडा) माताजी मंदिर हेतु अहमदाबाद से पैदल यात्रा सम्पन्न

राजवीर नमकीन एवं स्वीट मार्ट द्वारा आयोजित रा.रा. श्री सुंधा चामुंडा माताजी यात्रा संघ का नवम वर्ष में प्रवेश हुआ। यह प्रसन्नता का विषय है कि अहमदाबाद के कुबेर नगर स्थित भार्गव विस्तार से सुंधा चामुंडा माताजी (राज) पैदल यात्रा का आयोजन प्रति वर्षानुसार किया गया। यह यात्रा सवंत 2073 फागुण चतुर्थी गुरुवार 2-3-17 को दोपहर निकली। यात्रा दिनांक 12-3-17 को यात्रा का समापन हुआ। यात्रा संयोजक श्री जेठमल जेताजी नागर स्व.फुलचंद जेताजी नागर कमलेश जेताजी नागर। निमंत्रक श्री बलराम खूबचंद थावाणी।

मुम्बई एवं अहमदाबाद के नागर तीर्थयात्रियों की पूर्वी भारत यात्रा सम्पन्न

मुम्बई एवं अहमदाबाद से नागर समाज के तीर्थयात्रियों ने माँ भगवती मंडल के अध्यक्ष श्री परेशभाई नागर के नेतृत्व में चंपारगट (उत्तराखंड), अयोध्या, सरयू नदी, बनारस, गयात्री, गंगासागर, त्रिवेणी संगम इलाहाबाद आदि पूर्वी भारत की यात्रा सम्पन्न की। चित्र उसी अवसर के।

नागर समाज के युवाओं को स्टार्टअप का अवसर

-हाटकेश्वर धाम उज्जैन में जय हाटकेश वाणी और हाटकेश्वर धाम समिति के सामूहिक प्रयासों से 'करियर गाइडेंस और सेमिनार' टॉपिक पर रखे आयोजन में समाज के युवा स्टार्टअप studybazar.com के को-फाउंडर हर्षित नागर ने भी अपनी इंजीनियरिंग जॉब और उसके बाद शुरू किये स्टार्टअप स्टोरी से बताया कि हर नागर समाज के युवा में वो काबिलियत है कि उसके स्टार्टअप को पहचान और फंडिंग मिल सके ...पर स्टार्टअप वर्ल्ड में आने से पहले प्रॉपर काउंसलिंग और एन्टेप्रेनुएरशिप स्किल की जरुरत होगी ....

हर्षित ने समाज के युवा वर्ग को एक दूसरे से जोड़ने और अपने अपने क्षेत्र में जो लोग एक्सपर्ट है उनके जरिये उसी क्षेत्र में आने वाले विद्यार्थियों को करियर गाइडेंस को स्ट्रक्चर तरीके में लाने के लिए नागर समाज के E -Cell (entrepruership cell) बनाने का सुझाव दिया, जो समाज के विद्यार्थियों को करियर गाइडेंस के साथ साथ इंटर्नशिप, ट्रेनिंग और जॉब के लिए सहायक होगी, साथ ही समाज के वो लोग जो खुद के आइडियाज और स्टार्टअप को एक बेहतर बिजनेस में बदलना चाहते है उनको फंडिंग, एंजेल फंडिंग, सीड फंडिंग, ऑनलाइन crowdfunding जैसी जानकारियाँ उपलब्ध कराई जाये... काउंसलिंग के लिए इंजीनियरिंग और साइंस स्ट्रीम के विद्यार्थी google play store se हर्षित की एंड्राइड एप्प " ENGINEERS POINT " भी डाउनलोड कर सकते हैं, इस एप में फोरम सेक्शन में जाकर कोई भी स्टूडेंट अपने एरिया से रिलेटेड प्रश्न कर सकते हैं, और अगर आप किसी को सही जवाब देना चाहे तो वो भी इस एप से आसानी से कर सकते है, इसी तरह समाज के युवा शिक्षित वर्ग को जोड़कर बेहतर ऑनलाइन प्लेटफार्म तैयार कर सकते है, जय हाटकेशवाणी की वेबसाइट ...launch के मौके पर बोले कि career guidance & Ecell Forum section ko bhi website और एप में जोड़ा जाये...ऐसा करने से नागर समाज के लोग देश विदेश में होकर भी अपने अनुभव का लाभ समाज के युवा वर्ग को दे सकते हैं...

हर्षित द्वारा शुरू किये टेक्नोलॉजी स्टार्टअप प्लेटफार्म की जानकारी लेने समाज के सभी टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स और साइंस एजुकेटेड युवा वर्ग उनसे सीधे उनके व्हाट्सएप्प से जुड़ सकते हैं +91-9828691791

(M) 99741 48900

HIMANI EDUCATION

ENGLISH MEDIUM SCHOOL COACHING FOR CLASS 1 TO 12

अशिक्षा समाज और देश पर सबसे बड़ा कलंक है। अशिक्षा देश के विकास और स्वयं के विकास में सबसे बड़ी बाधा है। देश का कल्याण तभी संभव हो सकता है, जब तक की प्रत्येक देशवासी शिक्षित हो। शिक्षा किसी एक वर्ग या पीढ़ी के लिए नहीं है बल्कि यह सबके लिए है। सामाजिक बदलाव के लिए देश के प्रत्येक व्यक्ति का शिक्षित होना आवश्यक है। परन्तु कई बार प्रश्न उठता है कि शिक्षित होना क्यों आवश्यक है? इसका उत्तर यह है- शिक्षा मनुष्य का सर्वांगीण विकास करती है। शिक्षा के माध्यम से ही मनुष्य का संसार से परिचय होता है। हमारे देश की अधिकतर समस्याओं का मूल अशिक्षा का होना है। अशिक्षा व्यक्ति की विचारधारा को रोक देती है। वह स्वयं को अंधविश्वासों और रूढियों में घिरा हुआ पाता है। यदि वह शिक्षित है, तो उसकी सोच विकसित होती है। अंधविश्वासों और रूढियों रूपी पट्टियाँ आँखों के सामने से हट जाती है। यहीं से सामाजिक बदलाव आरंभ होता है। जहाँ समाज बदलने लगता है, वहीं देश का विकास भी आरंभ हो जाता है।

Regards, Dilip R Nagar
Himani Education Vastral, Ahmedabad. M-9974148900

विशेष
- हम गरीबी रेखा से नीचे आने वाले बच्चों को मुफ्त पढ़ाते हैं।
- नागर समाज के बच्चों को 50% की छूट दी जाती है।
- समाज और देश के कल्याण को प्राथमिकता देने के लिये ये योजनाएँ बनाई गई है।

आनन्ददायक कॅरियर का चयन करें...

श्री हाटकेश्वर धाम एवं जय हाटकेशवाणी के कॅरियर गाईडेंस सेमिनार में वक्ताओं ने किया मार्गदर्शन

श्री हाटकेश्वरधाम उज्जैन एवं जय हाटकेश वाणी इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में श्री विनोद कुमारजी मंडलोई की पावन स्मृति में विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क कॅरियर गाईडेंस सेमिनार का आयोजन श्री हाटकेश्वर धाम उज्जैन में रखा गया। कार्यक्रम में मार्गदर्शक श्री सुनील मेहता (एसपी स्पेशल ब्रांच) उज्जैन, श्री विनोद नागर (वरिष्ठ पत्रकार) दूरदर्शन भोपाल, पं.कैलाश नागर (गणेशाचार्य) इन्दौर, अनिल नागर (वनमंडलाधिकारी) होशंगाबाद, डॉ.प्रदीप व्यास (मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पदाधिकारी) उज्जैन, श्रीमती कविता मेहता (ज्योतिषाचार्य) उज्जैन, श्री विशाल शर्मा ब्रांच हेड एलेन इंस्टीट्यूट, इन्दौर, स्वप्निल परखिया कम्प्यूटर एजूकेशन इन्दौर, मयंक शुक्ल (कार्यरत हेड) इन्दौर एवं हर्षित नागर जयपुर थे। अतिथियों ने दीपप्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। अतिथियों का स्वागत श्री हाटकेश्वरधाम के न्यासीगण एवं पदाधिकारी श्री सुरेन्द्र मेहता, श्री रामचन्द्र नागर, श्री संतोष जोशी, श्री विजय प्रकाश मेहता, श्री किरणकांत मेहता, श्री जगदीश नागर आदि ने तथा जय हाटकेश वाणी परिवार के दीपक शर्मा, पवन शर्मा, मनीष शर्मा, दुर्गा शर्मा एवं रमा मेहता ने किया। सभी मार्गदर्शकों ने विद्यार्थियों को अपनी-अपनी फिल्ड के अनुभव, अवसरों एवं वांछित योग्यता के बारे में बताया तथा उनकी जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। मार्गदर्शकों ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपना कॅरियर चुनते समय अपनी पसंद एवं खुशी का ध्यान रखें। क्योंकि हम उसी काम के साथ न्याय कर सकते हैं जिसमें हमें आनंद की प्राप्ति हो सके। ज्योतिषाचार्य डॉ.कविता मेहता ने कहा कि ज्योतिष का अपना महत्व है तथा शास्त्रोक्त एवं वैज्ञानिक आधार है। युवतियों को यदि ज्योतिष को व्यवसाय के रूप में न भी अपनाना हो तब भी उन्हें इसे सीखना अवश्य चाहिए तथा विद्यार्थियों को कॅरियर चुनते समय ज्योतिष परामर्श भी लेना चाहिए। वहीं पं.कैलाश नागर गणेशाचार्यजी ने कहा कि अपनी बुद्धि बढ़ाने के लिए गायत्री मंत्र का जाप करे तथा आज्ञाचक्र को जागृत करें, जिससे पढ़ाई में एकाग्रता एवं बुद्धि का विकास हो सके।

उपरोक्त आयोजन के प्रेरणास्त्रोत श्री सुनील मेहता ने युवाओं को पुलिस विभाग में भर्ती हेतु पॉवर प्रेजेन्टेशन दिया। उनका सूत्र है कि हम अधिकार सम्पन्न पदों के लिए प्रयास करें ताकि समाज का भला कर सकें। हमारे संस्कार

और अधिकार एक जगह मिलकर एक आदर्श समाज का निर्माण कर सकते हैं। कुछ वक्ताओं ने नौकरी के बजाय स्वयं रोजगार करने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि हम नौकरी करने के बजाय नौकरी देने वाले बने। विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। उज्जैन में हुए इस प्रथम सफल आयोजन के साक्षी बने विद्यार्थियों ने करतल ध्वनि के साथ अपना मत व्यक्त किया कार्यक्रम का संचालन श्री हर्ष मेहता ने किया तथा आभार दीपक शर्मा ने व्यक्त किया।

कॅरियर गाइडेंस सेमिनार में विद्यार्थियों को पेड एवं पेन, शाकम्भरी इंटरप्रायजेस उज्जैन के सौजन्य से प्रदान किए गए थे। आयोजन समिति आपको साधुवाद प्रेषित करती है।

आयोजन के अंतर्गत श्रीमती शारदा मंडलोई ने जय हाटकेश वाणी की वेबसाईट का लोकार्पण किया।

उज्जैन में युवा टीम की सहभागिता काबिले तारिफ एवं प्रेरणादायक है। कोई भी कार्यक्रम हो युवा टीम के सदस्य उसमें पूर्ण उत्साह एवं ऊर्जा के साथ हिस्सा लेते है। उज्जैन की युवा टीम के निम्नलिखित सदस्यों का प्रशंसनीय सहयोग रहा। श्री गोविन्द नागर, श्री अमित नागर, श्री अतुल मेहता, श्री विशाल नागर, श्री विशाल मंडलोई, श्री अजय नागर, श्री कन्हैयालाल मेहता, श्री प्रमोद नागर, श्री हेमन्त मेहता, श्री मनीष मेहता, संजय जोशी आदि। कार्यक्रम स्थल की आकर्षक साज-सज्जा से लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने तक इनका सहयोग रहा। अन्य नागर बहुल नगरों एवं शहरों के युवाओं को इनसे प्रेरणा लेना चाहिए।

नागर महिला मण्डल, उज्जैन का फागोत्सव सम्पन्न

फाग उत्सव के शानदार आयोजन के लिये नागर महिला मंडल उज्जैन एवं म.प्र. की प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती आभा मेहता एवं उनकी पूरी टीम को ऐतिहासिक आयोजन हेतु बधाई । प्रारंभ-दीप प्रज्वलन और माँ सरस्वती का पूजन श्री योगेन्द्र त्रिवेदी, श्री हेमंत त्रिवेदी, श्रीमती आभा मेहता के साथ किया गया । तपश्चात आयोजन में समाज के गायक कलाकार सर्वश्री दिनेश त्रिवेदी, विजय शर्मा, हेमंत व्यास, मुकेश शर्मा, धर्मेश नागर, मनोज नागर, डॉ.रजनी नागर, डॉ. तृप्ती नागर, प्रियंक नागर और पारम्परिक फाग के सुमधुर भजन प्रस्तुत करने हेतु श्रीमती सरला नागर ओर उनकी मंडली को साधुवाद ।

सफल संचालन हेतु श्रीमती दुर्लभा व्यास एवं श्री दिनेश त्रिवेदी को बधाई । कार्यक्रम मे गरिमामयी उपस्थिति के रुप में आदरणीय पं. विजय शंकर मेहता, श्री प्रवीण त्रिवेदी जज सा., श्रीमती मीना त्रिवेदी प्रदेश महासचिव महिला मंडल, श्री राजेश त्रिवेदी टमटा, श्रीमती ज्योति त्रिवेदी इंदौर, महिला मंडल उज्जैन की सभी सदस्या सर्वश्रीमती विजय लक्ष्मी नागर, डॉ. अरूणा व्यास, डॉ. मधुनागर, सुश्री शीला बेन व्यास, कृष्णा त्रिवेदी, नेहा मेहता, श्रीमती सुशीला व्यास, वर्षा व्यास, राधिका व्यास, प्रीती व्यास, भावना नागर, सीमा नागर, वदंना मेहता, माला नागर, प्रमिला त्रिवेदी आदि उपस्थित थें । फूलों ओर सूखे रंगों की फुहारों के संग गीत ओर नृत्य के आनंद के साथ ही सुमधुर व्यंजन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। आभार कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती आभा मेहता ने माना।

ऊर्दूपूरा धर्मशाला में मन्दिर का संरक्षण, जीर्णोद्धार और नवीनीकरण का कार्य जारी

हाटकेश्वर धर्मशाला स्थित देवालय ऊर्दुपुरा उज्जैन में भगवान हाटकेश के मंदिर का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार और नवीनीकरण का कार्य सभी समाज के सहयोगदाताओं के असीम स्नेह से निरन्तर प्रगति पर है।

मंदिर को आकर्षक रूप से जहाँ जालियों के माध्यम से संरक्षित और सुरक्षित किया जा रहा है वहीं धर्मशाला के अंदर लगभग 7500 वर्गफीट ओपन स्पेस में भी निकट भविष्य में आकर्षक ब्लाक लगाये जाने हेतु भी समाज के दानदाताओं द्वारा निरन्तर सहयोग हेतु आश्वस्त किया गया है। ब्लाक लगाने का कार्य भी वित्तीय व्यवस्था होते प्रारंभ किया जाकर आगामी एक डेढ़ माह में पूर्ण करने का लक्ष्य बनाया गया है। इस बाबत सभी स्वजनों से यथाशक्ति सहयोग का विनम्र अनुरोध है।

धर्मशाला परिसर को सम्पूर्ण सुविधाजनक बनाने के प्रयास में युवा टीम सतत् प्रयासरत है इस क्रम में युवा मंडल अध्यक्ष भाई संजय व्यास एवं पूर्व अध्यक्ष भाई मनीष मेहता द्वारा अपना अमूल्य समय निकालकर वरिष्ठजनों एवं न्यासीगणों के मार्गदर्शन में पूरी धर्मशाला में सफाई व्यवस्था चाक चोबंद कर विधिवत रूप से कार्यालय प्रारंभ कर बुकिंग रजिस्टर, बर्तनों की सूची, लाईट, टेंट, पानी आदि आवश्यक व्यवस्थाओं को मूर्तरूप प्रदान किया जा रहा है।

भोपाल में होली मिलन समारोह सम्पन्न

होली की शुभकामनाओ के सहित बड़े हर्ष के साथ भोपाल नागर युवा नागर श्री भोपाल द्वारा भोपाल के इतिहास में पहली बार होलिका दहन व होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसका श्रेय भोपाल की नागर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को जाता है। इस उत्सव में भोपाल नागर समाज के वरिष्ठजन भी सम्मलित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री तेजप्रकाश रावल द्वारा की गई। आदरणीय डॉ. श्री विजय आनंद जोशी, श्री सुभाष व्यास एवं श्री दशोराजी द्वारा विशेष रूप से अपनी उपस्थिति दिखाई गई। साथ ही सर्वश्री संतोष व्यास, संतोष नागर, अमित मेहता, मनीष किरण मेहता, मयंक नागर, राहुल मेहता, उमेश मेहता परिवार सहित उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को आयोजित करने में श्री दीपक मेहता एवं श्री अभिलाष नागर का अभूतपूर्व योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन श्री पंकज रावल द्वारा किया गया।

श्रीमती चेतना शर्मा की नियुक्ति–बधाई

शाजापुर भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाअध्यक्ष श्रीमती लता एलकर ने भाजपा प्रदेशअध्यक्ष नन्दकुमार सिहं चौहान एवं भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत की सहमति से श्रीमती चेतना शर्मा (भाजपा जिलामंत्री शाजापुर) को प्रदेश महिला मोर्चा में विशेष आमंत्रित सदस्य एवं इंदौर नगर महिला मोर्चा का प्रभारी नियुक्त किया है।

श्रीमती शर्मा की नियुक्ति पर बहुत बहुत बधाई तथा हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएँ

डेस्टिनेशन पब्लिक स्कूल बड़ावदा में वार्षिक पुरस्कार वितरण सम्पन्न

डेस्टिनेशन पब्लिक स्कूल बड़ावदा में वार्षिक पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम मुख्य अतिथि मुरलीधर चांदनीवाला (शिक्षाविद् एवम् साहित्यकार) कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ.राजेंद्र शर्मा (प्रोफेसर गुजराती कॉलेज इंदौर) एवम् विशेष अतिथि श्री आर. सी.तिवारी (जिला क्रीड़ा अधिकारी रतलाम) अमर सिंह राजपूत (विक्रम अवार्ड, उत्कृष्ट खिलाडी) तथा एस.सी. भट्ट (सेवानिवृत शिक्षक) पंडित बलराम नागर (समाजसेवी) के आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर की। अतिथि परिचय संस्था के मार्गदर्शक श्री विजय रावल (जिला हैंडबॉल सचिव) ने करवाया। संस्था प्रधान श्री हर्ष नागर ने विद्यालय की वार्षिक गतिविधियों एवम् उपलब्धियों पर प्रकाश डाला । पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में सबसे पहले गत वर्ष के कक्षा में प्रथम बच्चों को पुरस्कृत किया गया। तत्पश्चात वार्षिक गतिविधियों में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया।इस अवसर पर सभी अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ राजेंद्र शर्मा ने बताया कि जिसको पुरस्कार मिला वे बधाई के पात्र है लेकिन जिसको पुरस्कार नहीं मिला वे निराश न हो, अगले वर्ष प्रयास करे तो निश्चित ही उन्हें भी पुरस्कार प्राप्त होगा। कार्यक्रम का संचालन शिक्षकद्वय विनोद पौराणिक, अन्नू परमार ने किया। आभार प्रदर्शन संस्था के मार्गदर्शक आशीष भट्ट ने किया।

जो घर फूंके आपना-चले हमारे साथ-2

वैभवशाली परिवेश के बजाय देशभक्ति को अपना लक्ष्य बनाया

स्व. किशोरभाई त्रिवेदी

स्व.कमला बेन त्रिवेदी

ऐसी विदुषी, कर्मठ एवं जीवट महिला श्रीमती कमला बेन, शाजापुर के स्व.प. घनश्यामजी नागर और स्व.गीताबाई नागर की दो पुत्रियों में से छोटी पुत्री थी। बचपन का नाम कनकलता था। स्व.घनश्यामजी, नागर ग्वालियर रियासत में नाकेदार के पद पर कार्यरत थे। उस समय के हिसाब से अच्छी खासी हैसियत वाला परिवार माना जाता था। स्व.बेन की एक बड़ी बहन का नाम दुर्गा बेन था।

जिसके लिए जीवन में संघर्ष और कष्ट बदे हो, उन्हें कौन मिटा सकता है। नियति ने बचपन में ही दुःखों का पहाड़ खड़ा कर दिया था। माता श्रीमती गीतादेवी का असमय देहान्त होने से बचपन कष्ट में बीता। हालांकि मामा परिवार ने काफी सम्बल प्रदान किया। तथा अच्छे संस्कारों से पल्लवित किया।

विवाह योग्य होने पर गुजरात के 'सूरत' में मोतियों का व्यापार करने वाले स्व.ईश्वरी प्रसाद त्रिवेदी के पुत्र श्री किशोरभाई त्रिवेदी से विवाह हुआ। इस तरह मालवा की 'बेटी' गुजरात प्रान्त में बहु बनकर गई। भाषा, वेषभूषा तथा नए वातावरण में बेन ने जल्दी ही अपने आपको ढाल लिया था। ससुराल देवर-जेठ एवं ननद से भरा पूरा होकर सम्पन्न परिवार था। सच्चे मोती का व्यापार होता था। पिताजी यह चाहते थे कि अन्य भाईयों की तरह किशोर भाई भी व्यापार में ध्यान दें, दुकान का काम-काज संभाले। लेकिन नियति तो कोई अन्य खेल दिखाने वाली थी। उस समय गुजरात में सरदार वल्लभ भाई पटेल, मोरारजी देसाई व अन्य नेताओं का नवयुवकों पर काफी प्रभाव था। उनकी एक आवाज पर नवयुवक मर मिटने को तैयार थे। महात्मा गाँधी के आह्वान पर सारा देश खड़ा हो रहा था। तो किशोर भाई जैसा नवयुवक कैसे पीछे रहता। वे बढ़-चढ़कर आजादी के आन्दोलन में हिस्सा लेने लगे।

पिता स्व.श्री ईश्वरी प्रसादजी को यह सब पसंद नहीं था। वे यह चाहते थे कि ये अपने परिवार के कारोबार पर ध्यान दें। यही सोचकर भाई को शादी के बंधन में बाँध दिया, लेकिन भाई के विचारों में शादी के बाद भी कोई परिवर्तन नहीं आया। वे पूर्वतः आन्दोलन में अपनी भागीदारी जारी रखे हुए थे। अब यहाँ कल्पना की जाये कि परिवार में कमला बेन ने किस तरह सामंजस्य स्थापित किया होगा। एक तरफ ससुरजी का सम्मान, दूसरी ओर पति की भावनाओं से ताल-मेल करना कितना कठिन रहा होगा। लेकिन कमला बेन ने परिवार में अपने गुणों एवं व्यवहार से सामंजस्य स्थापित किया। एक छोटे से शहर की लड़की ने भरे पूरे परिवार में जगह बनाई। साथ ही अपने पति की भावनाओं का सम्मान करते हुए धवल खादी का परिधान स्वीकार करते उनके साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए आजादी के आन्दोलन में सक्रियता के साथ सहयोग किया, यहाँ तक कि पति के साथ जेल भी गई। उस समय जेल में मोरारजी भाई देसाई की पत्नी भी उनके साथ थीं।

पिताजी ने जब भाई के रंग-ढंग में शादी करने के बाद भी कोई परिवर्तन नहीं देखा तो यह सोचा कि यह यहाँ सूरत में रहेगा तो आन्दोलन में ही लगा रहेगा। यह सोचकर घर गृहस्थी का भार डालने व अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए पति-पत्नी दोनों को शाजापुर भिजवा दिया। अब विचार करने वाली बात यह है कि शाजापुर आने के बाद कमला बेन के सामने नए सिरे से अपनी घर गृहस्थी जमाने की समस्या थी, वैसे शाजापुर उनका पीहर था, किन्तु बेन जैसी स्वाभिमानी महिला अपने दृढ़निश्चय व चतुराई व कुशलता से जो भी पास था, उससे अपना घर भार संभाला। ऐसे समय ग्वालियर के स्व.श्री बाबूभाई देसाई संकट मोचन की तरह त्रिवेदी दम्पत्ति के लिए सामने आये, उन्होंने शाजापुर में 'खादी भण्डार' खुलवा कर किशोर भाई को उसकी देखरेख के लिए जिम्मेदारी दी। कमला बेन ने अपने पति की सीमित आय में अपने घर को गुजराती परिवेश में सजाया, संवारा तथा गृहस्थी को आगे बढ़ाया। परिवार के बगीचे में वृद्धि हुई। शनैः शनैः परिवार में चार बालक व एक बालिका ने जन्म लिया।

दुश्यन्त, युधिष्ठिर, सरला व दिलीप और हरीश कुल सात प्राणियों की गृहस्थी को, अपने पति की जिम्मेदारियों, उनके साथ स्वतंत्रता आन्दोलन में भी सहभागिता निभाते हुए व्यवस्थित रूप से चलाना एक आदर्श महिला के प्रतिरूप को स्थापित करता है।

शाजापुर, ग्वालियर, रियासत में था, यहाँ तिरंगा उठाकर चलना भी अपराध की श्रेणी में आता था। किशोर भाई ने विपरीत परिस्थितियों में पं.बालकृष्ण शर्मा नवीन के सभापतित्व में जिला राजनैतिक सम्मेलन का सफल आयोजन कर साहसिक कदम उठाया। इसका तत्काल प्रभाव यह हुआ था कि शाजापुर के सूबा (कलेक्टर) द्वारा भाई की राजनैतिक गतिविधियों का दमन करने हेतु उन्हें ग्वालियर रियासत से बदर कर दिया। निर्वासन काल में किशोर भाई ने इन्दौर में अपना कर्म क्षेत्र बनाया तथा शासन के खिलाफ अपना अनशन प्रारम्भ कर दिया जो 11 दिनों तक जारी रहा। यहाँ भी कमला बेन की परीक्षा की घड़ी थी। इन निर्वासन काल के सात माह में परिवार ने जो कष्ट झेले होंगे, उसकी कल्पना की जा सकती है। इधर भाई की अनुपस्थिति में खादी भण्डार की व्यवस्था भी चरमरा उठी थी। बच्चों की परवरिश, उधर भाई की चिंता, उनके पास भी, बार-बार आना-जाना पड़ता था। बेन ने हिम्मत नहीं हारी और ग्वालियर नरेश को पत्र लिखकर चेतावनी दी कि अनशन के कारण उनके पति का स्वास्थ्य गिर रहा है, यदि उन्हें कुछ हो गया तो वे जवाबदार रहेंगे। अन्ततः ग्वालियर नरेश ने निर्वासन की आज्ञा निरस्त कर भाई को ससम्मान वापस बुलाया। लोग (प्रत्यक्षदर्शी) कहते हैं कि शाजापुर लौटने पर भाई के स्वागत के लिए जन सैलाब उमड़ा था, वैसा आज तक किसी नेता का स्वागत नहीं हुआ। (क्रमशः)

- सुरेश दवे 'मामा'
38, नीमवाड़ी, शाजापुर
मो. 9753050546

श्री हाटकेश्वरनाथ गुजराती ब्राह्मण समिति कार्यकारिणी का चयन

श्री हाटकेश्वरनाथ गुजराती ब्राह्मण समिति, उत्तर प्रदेश की साधारण सभा दिनांक 26मार्च, 2017 को आयोजित की गयी। इस सभा में निम्न कार्यकारिणी का चयन किया गया-

संरक्षक- (1) श्री दीपक त्रिवेदी, I. A. S., (2) श्रीमती कुसुम दवे, **अध्यक्ष**- श्री राज शेखर नागर **उपाध्यक्ष**- (1) श्री राम व्यास, (2) श्रीमती रूचि दवे, **महामंत्री**- डॉ. अमित नागर, **संयुक्त मंत्री**- सुश्री नीरू नागर, **कोषाध्यक्ष**- श्री अनुराग दवे, **विधिक सलाहकार**- श्री मनीष पंड्या। **सदस्य**- 1. श्री अरुण कान्त नागर, 2. श्री शोभन नागर, 3. श्री प्रेम प्रकाश नागर, 4. श्रीमती वर्षा व्यास, 5. श्रीमती मंजू दवे, 6. श्री पंकज नागर, 7. श्री अमित व्यास, 8. श्री अरुण नागर **ऑडिटर**- श्री अवधेश भट्ट।

आरती हाटकेश्वर भगवान की

आकाशे तारकम लिंगम पाताले हाटकेश्वरम
मृत्यु लोके महाकालम त्र्यलिंगम नामोस्तुते
(तर्ज-अम्बे तू है जगदम्बे काली)

स्थायी- हो भोला हाटकेश्वर जय त्रिपुरारी गुण गावे सब नर नारी
रिमझिम उतारे तेरी आरती हो बाबा हम सब मिल गाए तेरी आरती

अंतरा- दूध दहि घी मधु शकर से शिव स्नान कराये पयः पंच रुद्राभिषेक हो गंगा जल से नहलाए केशर कस्तुरी मिल चन्दन लाये शिव शीश त्रिपुण्ड लगाए। रिमझिम उतारे तेरी आरती

(2) भोले श्वेतांबर पीताम्बर बाघंबर पहनाए बिल पत्र मंदार सुशोभीत फूल शिव तुम्हें चढ़ाये नागर भक्ता मिल धूप दिखाये दीप का दर्शन है कराये। रिमझिम उतारे तेरी आरती

(3) मृगछाला का आसन ले शिव हाटकेश्वर जी विराजे शीश जटा शोहे जटा में गंगा गले में मुंडन साजे भोले चूरमे का भोग लगाए भंगिया धतूरा प्रिय भाए रिमझिम उतारे तेरी आरती

(4) हस्ते डमरु त्रिशुल विराजे भाल शीश शशि धारी वाम अंग शोहे गवरा मईया शिव नदी की शवारी वासे द्वादश ज्योतिर लिंग रूपा पाताले हाटकस्वरूपा रिमझिम उतारे तेरी आरती

(5) नागर के करुणा सागर तुम भक्तों के मन भाए माहचेत्र सुदी चतुरदशा हाटकेश्वर जयंती मनाए माता अन्नपूर्णा की ममता न्यारि हाटकेश्वर जय त्रिपुरारी रिमझिम उतारे तेरी आरती

(6) बिन स्वारथ जो पूजे आपको मन चाहा फल पावे काम क्रोध मद लोभ जो त्यागे शिव तीरथ वो नहावे नागर जन गुण यश तेरे गावे धर्मेंदर शीश झुकवे नागर रथ चले बन बेठो सारथी हो बाबा हम सब उतारे तेरी आरती

-डॉ.धर्मेन्द्र कुमार व्यास
517 केशव कॉलोनी अवन्तिपुर बड़ोदिया, जिला शाजापुर मो. 9926761673

जीवन में सुख प्राप्त करने के चार रास्ते

(1) सदा दिमाग ठंडा रखिये।
(2) सदा वक्त की कदर कीजिए।
(3) भविष्य के लिए बचत कीजिए।
(4) पांव सदा जमीं पर रखिए।

:: सोचो ::

लोग कहते हैं कि कलयुग आ गया है पर लाया कौन? स्त्री अपनी शर्म भूली, पुरुष अपने संस्कार भूला, गुरु अपना धर्म भूला, नेता अपना कर्म भूला और तो और इंसान अपनी इंसानियत भूला।

-संकलित- ओमप्रकाश एस. नागर मोती बंगला, देवास

शर्मा परिवार के प्रेरणा स्त्रोत श्री दुर्गाशंकर शर्मा

पं.भीकाजी शर्मा ज्योतिषाचार्य ज्योर्तिमार्तण्ड जो निमाड़ के पहले ज्योतिषाचार्य थे उन्हें सिहाड़ा के पड़ेला हनुमान की स्थापना के समय जगत गुरु शंकराचार्य के द्वारा ज्योर्तिमार्तण्ड की उपाधि प्रदान की गई। उनके पाँचवे पुत्र दुर्गाशंकर शर्मा परिवार के प्रेरणा स्त्रोत है उन्होंने गीता के कर्मयोग को महत्व दिया व अभावों व संयुक्त परिवार में रहते हुए जीवन व्यतीत किया व बड़ी जवाबदारी से कार्य निर्वहन किया। वे शासकीय नौकरी में कभी भी कार्यालय एक मिनिट देरी से नहीं पहुँचे। यह यात्रा वे साईकिल से ही तय करते रहे। आज 90 वर्ष की आयु में उनका उत्साह देखते ही बनता है। घर में नागपंचमी पर नाग व जिरोति बनाना उन्हीं का कार्य है। उन्होंने अपने कर्म से ही पूरे भाग्य को बदल दिया।

महत्वपूर्ण यह है कि सबसे छोटी से छोटी बात वे ध्यान रखते हैं कहीं भी जाते हैं तो बेग में महत्वपूर्ण कागजात जैसे बैंक एकाउंट, मेडिकल रिपोर्ट आदि साथ ही रखते हैं। कठिनाई व अभाव के बीच संयुक्त परिवार के लिये जो सम्भव बन पड़ा उन्होंने किया। सामाजिक उत्सवों में चुटकुले व कविता सुनाना उन्हें अच्छा लगता है। वह हमारे परिवार के प्रेरणा स्त्रोत हैं। वे दीर्घायु हो व सामर्थ्य के अनुसार कार्य करते रहे।

उनका संक्षिप्त परिचय निम्न है-

श्री दुर्गाशंकर शर्मा, जन्म तारीख 3-9-1928 (आश्विन शुक्ल पक्ष दुर्गा अष्टमी) शैक्षणिक योग्यता हायर सेकण्डरी। वर्ष 1949 में कलेक्टर कार्यालय के सेक्शन रायटर पद पर कार्यरत थे। सन् 1951 में चुनाव में लिपिक कार्य के लिये प्रथम नियुक्ति होने पर उनका Regular Appointment हो गया। कलेक्टर कार्यालय में विभिन्न मुख्य पदों पर कार्यरत रहे। जैसे ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के रीडर, राहत शाखा, निर्वाचन शाखा, स्थापना शाखा/जनगणना 1971 में जनगणना शाखा में पदस्थ किये गये। सन् 1971 की जनगणना में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार रजत पदक के साथ सम्मानित किया गया जो 1972 को 26 जनवरी को स्टेडियम ग्राउण्ड पर कलेक्टर द्वारा प्रदान किया गया। वर्ष 1951 में श्री मांगीलालजी दीक्षित निवासी सिर्रा की पुत्री कु.सेवन्ती से विवाह सम्पन्न हुआ। उनकी 5 पुत्रियों तथा 1 पुत्र पंकज कुमार शर्मा हैं जो वर्तमान में उप-यंत्री पद पर धरमपुरी जिला खरगोन में कार्यरत है। पाँचों पुत्रियों में (1) रीता रायपुर (छत्तीसगढ़) (2) अनिता सूरत (गुजरात) (3) सुनीता खण्डवा (म.प्र.) (4) स्वर्णा अलीगढ़(यू.पी.) तथा (5) सीमा मांगरोल (सौराष्ट्र) में विवाहित हुई है।

सेवा के 35 वर्ष पूर्ण होने पर 30.9.1986 में सेवा निवृत्त हुए। सेवा निवृत्ति के एक माह बाद ही उन्हें पुनः D.R.D.A. शाखा में नियत वेतनमान में किया गया। जहाँ 4 साल कार्य करने के बाद 1990 में सेवानिवृत्ति ली। कलेक्टर कार्यालय में राहत शाखा में उत्तम कार्य करने पर आयुक्त इन्दौर संभाग द्वारा रु. 300/- के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। D.R.D.A. शाखा में 4 साल कार्य करते उन्हें कलेक्टर द्वारा दो बार सम्मानित किया गया, जिसमें एक बार हाथ घड़ी और दूसरी बार अलार्म घड़ी प्रदान की गई।

13 सितम्बर 2016 में परिवार के वरिष्ठ सदस्य (89 वर्ष) होने पर समस्त शर्मा परिवार द्वारा श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा के सुपुत्र श्री हिमांशु शर्मा की पुत्री के नामकरण के समय सोने की सीढ़ी पर उन्हें चढ़ाकर सम्मानित किया गया।

-प्रो.ऋषि कुमार शर्मा
74, मातृछाया आनन्द नगर, खण्डवा
फोन 07332249003, मो. 9424549184

श्री वीरेन्द्र व्यास का नाम भूल से छूट गया था...

गत मासिक जय-हाटकेश वाणी इन्दौर अंक मार्च 2017 में तथा त्रैमासिक हाटकेश समाचार उज्जैन वर्ष 2 अंक 7 सन् 2016 में 'लघुकाशी पीपलरावाँ - एक विहंगम दृष्टि' शीर्षक से मेरा एक लेख प्रकाशित हुआ है। इस लेख में 'समाज गौरव' शीर्षक में मुद्रण की त्रुटिवश म.प्र. नागर परिषद शाजापुर के पूर्व अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र व्यास शाजापुरजी की मेरे पापा नागर परिषद पीपलरावाँ के पूर्व अध्यक्ष, वरिष्ठ पत्रकार श्री हरिनायाण नागर के अनुसार नागर धर्मशाला पीपलरावाँ के जीर्णोद्धार, नवनिर्माण एवं अद्वितीय सामाजिक समारोह आयोजित करने के प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं का नाम प्रकाशन से छूट गया है। इसका मुझे अत्यंत खेद है। पाठक गण कृपया समाज के गौरव उप शीर्षक में श्री वीरेन्द्र व्यास शाजापुर का नाम प्रमुखता से अंकित माने। **-सौ.बिन्दुबाला प्रदीप मेहता, सिल्वर ऑक्स कॉलोनी, इन्दौर**

पाषाण - प्राण

पाषाणों में प्राण, हमें सोए से लगते।
मानव को नहीं ज्ञान, कि वे कब कब हैं रोते।
भाषा उनकी जान, परिंदे उन तक जाते।
जाकर उनके पास, दिलासा उन्हें दिलाते।
कुछ उनकी सुनते, अपनी कहते।
स्नेह जताते, गीत सुनाते।
मधुर समय को, साथ बिताते।
सांझ ढले फिर, दुखी हृदय से
घर उड़ जाते।

धीरेन्द्र ठाकोर मो. 9799547566

स्व. डॉ. पी.एन. नागर को समर्पित कवि सम्मेलन में कवियों ने समां बांधा

शहीदों का सम्मान करने वाली सरल काव्यांजलि अद्वितीय है, जो लगातार सक्रिय रूप से शहर में कार्यक्रम आयोजित करती रहती है। उक्त उद्गार सरल काव्यांजलि साहित्यिक संस्था द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन एवं होली मिलन समारोह में विख्यात व्यंग्यकार डॉ. पिलकेन्द्र अरोरा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में व्यक्त किए। यह जानकारी देते हुए संस्था के श्री परमानंद शर्मा 'अमन' ने बताया कि स्व. डॉ. पी.एन. नागर को समर्पित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अरुण वर्मा ने कहा कि कविता केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि हमारे एक्टीवेट होने का औजार भी है। मुख्य अतिथि नगर निगम अध्यक्ष श्री सोनू गेहलोत व पूर्व नेता प्रतिपक्ष (नगर निगम) श्री रवि राय ने भी संस्था को अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त की। कार्यक्रम में श्री जगदीशचन्द्र पण्ड्या 'अक्स' को कथावाचक कवि, समीक्षक स्व. दादू पण्डित खोड़े 'दुर्बल' स्मृति सम्मान, श्री सुनील गाइड को श्री शरदचन्द्र मोरे स्मृति सम्मान, श्री ईश्वरचंद चंचलानी को श्री सहजराम वाधवानी स्मृति सम्मान तथा श्री दुलीचंद प्रजापति को इंजी. प्रमोद शिरढोणकर 'बिरहमन' स्मृति सम्मान शॉल, श्रीफल, स्मृति चिह्न व नकद राशि भेंट कर सम्मानित किया गया। तराना से पधारे श्री सुनील गाइड ने हर तरफआवाज है, जय हो वोट तो हम भी दें पर आदमी तो सही हो। सुनाकर खूब तालियाँ बटोरीं। श्री संतोष सुपेकर ने भूख और रोटी के संबंधों को झटके लग रहे हैं जब से खाने में हमें चाइनीज फूड अच्छे लग रहे हैं, डॉ. मोहन बैरागी ने प्रेमगीत मेरी नजर शरारती, हर दम तुम्हें पुकारी, श्री दुलीचंद प्रजापति ने हास्य रचनाएँ, श्री ईश्वरचंद चंचलानी व श्री जगदीश पण्ड्याजी ने गजलें सुनाकर समां बांध दिया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण बाल कवि तनिष शर्मा रहे, जिनकी रचनाओं पर खूब ठहाके लगे। डॉ. स्वामीनाथ पाण्डेय ने उसे नकद पुरस्कार प्रदान किया। सर्वाधिक सजग श्रोता का सम्मान वरिष्ठ साहित्यकार श्री नरेन्द्र श्रीवास्तव 'नवनीत' को प्रदान किया गया। कवि सम्मेलन का संचालन श्री राजेन्द्र देवधरे दर्पण ने किया। कार्यक्रम में मासिक पत्रिका हाटकेश वाणी का सहयोग रहा। प्रारंभ में सरस्वती वंदना श्री राजेश रावल 'सुशील' ने प्रस्तुत की। अतिथि स्वागत सचिव डॉ. संजय नागर, नरेन्द्र, मिथलेश मनावत, राजेश राठौर, विजयसिंह गेहलोत, गौरीशंकर उपाध्याय व संजय जौहरी ने किया। स्वागत भाषण एवं अतिथि परिचय श्री नितिन पोळ ने किया। अंत में आभार श्री हरदयालसिंह ठाकुर ने माना। इस अवसर पर शहर की ख्यात साहित्यिक हस्तियाँ डॉ. पुष्पा चौरसिया, श्रीकृष्ण जोशी, गड़बड़ नागर, कोमल वाधवानी प्रेरणा, आशागंगा शिरढोणकर, राजेन्द्र नागर, पी.डी. शर्मा, प्रभात मेहता, सुमन नागर, अनिल चौबे, आशीष श्रीवास्तव 'अश्क', रामचंद्र पांचाल, हरीश अंधेरिया आदि उपस्थित थे।

साये की तरह

साये की तरह साथ रहो,
यही चाहता हूँ..
जीवन के थपेड़ों से,
मैं तो हार गया हूँ
पी-पीकर बातों का गरल
मैं तो उतार गया हूँ।
अब तो अच्छा कुछ कहो,
यही चाहता हूँ.. साये की तरह...
वो अपना था या सपना
कुछ भी न जान सका।
बहुत साथ रहा लेकिन
उसको न पहचान सका।
मत भावों में अब बहो,
यही चाहता हूँ.. साये की तरह..
कितना चल पाऊँगा अब
चल-चलकर थका
बहुत दौड़ा था सफर में
ये सिलसिला भी रुका,
मिल जाये अब तो मकां
यही चाहता हूँ. साये की तरह.

-सुभाष नागर 'भारती' अकलेरा

प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक तथा सम्मान समारोह सम्पन्न

देवास में म.प्र. नागर ब्राह्मण परिषद की कार्यकारिणी की त्रैमासिक बैठक श्री गौड़ धर्मशाला सभागार में म.प्र.नागर परिषद के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश त्रिवेदी की अध्यक्षता में 26मार्च को सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन करते हुए परिषद के महासचिव श्री लव मेहता ने बताया कि म.प्र. नागर परिषद के बेनर तले 7/5/2017 को नि:शुल्क सामूहिक विवाह, यज्ञोपवित व युवा युवती परिचय सम्मेलन की त्रिवेणी प्रवाहित होगी। यह आयोजन उज्जैन में रखा जा है। इस विषय पर विस्तृत जानकारी म.प्र नागर परिषद के युवा अध्यक्ष हेमंत व्यास ने दी तथा इस पर चर्चा में पं.अशोक भट्ट, वीरेंद्र व्यास एवं अन्य नागरजन ने अपने सुझाव प्रस्तुत किये। लव मेहता ने बताया कि लगभग 10 लाख रु. के इस वृहद आयोजन हेतु 5लाख रूपयों की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। देवास नागर समाज के अध्यक्ष श्री सुधीर नागर ने अपने पद से इस्तीफ़ा दे कर देवास नागर ब्राह्मण समाज की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्व सहमति से श्री मोहन शर्मा को अध्यक्ष, श्री यतिन मेहता को महासचिव, श्री आनंद शर्मा को कोषाध्यक्ष एवं महिला मंडल की श्रीमती मनीषा पौराणिक को अध्यक्ष का निर्वाचन कर नियुक्त किया गया। सामाजिक पत्रिका हाटकेश्वर समाचार को भी व्यापक रूप देने पर विचार किया गया। आभार श्री केदार रावल द्वारा करने के पश्चात दिवंगत नागरजन के प्रति दो मिनिट का मौन रख कर श्रदांजलि दी। इसी के साथ बैठक का समापन हुआ। देवास नागर परिषद की ओर से 75 वर्ष

पूर्ण करने वाले नागरजनों का सम्मान समारोह की अध्यक्षता म.प्र. नागर ब्राह्मण परिषद के पूर्व अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र व्यास शाजापुर व मुख्य अतिथि परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष श्री राजेश त्रिवेदी इंदौर ने समाज के वरिष्ठजन श्री रमाशंकर नागर (मंत्रीजी), श्री बाबूलाल शर्मा, श्री उपेन्द्र नारायण मेहता, श्री शंकरलाल नागर, श्री हरिनारायण नागर पूर्व अध्यक्ष पीपलरावां, श्री हरेन्द्रनारायण मेहता, श्री सुरेन्द्र मेहता, श्री अशोक पटेल (शर्मा) और हमारे देवास के मेजर श्री अविनाश रावल, श्री केदार रावल तथा हेमंत त्रिवेदी का हार माला व पगड़ी तथा प्रशासनिक अभिलेख भेंट कर सम्मानित किया गया। महिला मंडल की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती आभा मेहता, श्री वीरेन्द्र व्यास, श्री राजेश त्रिवेदी, श्री लव मेहता श्री प्रवीण त्रिवेदी (जज सा.) युवा परिषद के अध्यक्ष भाई श्री हेमन्त व्यास, पं. अशोक भट्ट खजराना, श्रीमती ममता मेहता को माँ चामुण्डा की नगरी में सम्मान कर प्रतीक चिन्ह व मालवा की पगड़ी पहना कर तथा नवनियुक्त स्थानीय नागर परिषद के पदाधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक मंच द्वारा केदार रावल, श्रीमती मीनाक्षी रावल हेमंत व्यास, हिमांशु पौराणिक, दिलीप मेहता, जितेंद्र शुक्ल एवं मधुसूदन नागर ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में अशोक रावल, प्रवीण नागर, शिव शर्मा, बद्री शर्मा, विजय शर्मा, नरेंद शुक्ल, उमाशंकर नागर, भूनेश मेहता, प्रवीण त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, पी.ए. व्यास, रोहित नागर, प्रदीप रावल, अभय मेहता, दिनेश नागर, मनमोहन नागर, अरविंद नागर, अनिल नागर संजय शर्मा, महेश नागर, शेलेश नागर, रवि नागर, दिनेश नागर, मोहन जोशी, कमल नागर, विष्णु नागर सहित समाज की हमारी मातृशक्ति माता बहनें भी बड़ी संख्या में व समाजजन उपस्थित थे। कार्यकम का संचालन श्री सुधीर नागर ने किया तथा आभार राजेन्द्र पौराणिक ने माना।

केश-लेस ट्रांजेक्शन पर व्याख्यान

ग्रामोदय मेला चित्रकूट में इलाहाबाद बैंक के वरिष्ठ निरीक्षण अधिकारी श्री राजेंद्र नागर 'निरंतर' उज्जैन के द्वारा केश लेस ट्रांजैक्शन्स पर व्याख्यान दिया गया। मंच पर हरियाणा के राज्यपाल श्री कप्तान सिंह सोलंकी, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस और महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गौतम पांडेय भी मौजूद थे।

श्री हाटकेश्वर धाम में 15 घड़ी भेंट

श्रीमती वीणाबेन-चम्पकभाई जोशी, अहमदाबाद (राष्ट्रीय अध्यक्षा,अ. भा. नागर परिषद) ने श्री हाटकेश्वर धाम उज्जैन को सभी कमरों एवं हॉल के लिये सुंदर आकर्षक दीवार घडियाँ भेंट की गई। श्रीमती वीणाबेन-चम्पकभाई जोशी, अहमदाबाद से विगत दिनों नागर समाज सदस्यों के साथ श्री हाटकेश्वर धाम में पधारे थे, श्री हाटकेश्वर धाम मे सभी ने इष्टदेव के दर्शन पूजन का लाभ लिया था, उस समय भी आपके द्वारा मंदिर हाल के लिये सुंगधित धुप बत्ती लगाने की इले. मशीन भी भेंट कर गये थे। जिससे पूरा हॉल सुगंध मय हो जाता है। श्री हाटकेश्वर धाम न्यास आपको साधुवाद प्रदान करता हैं।

आन्या (पीहू)

4 अप्रैल

विवेक–शालिनी मेहता

मो. 9926064335

शुभाकांक्षी– मेहता परिवार, इन्दौर नागर परिवार अकलेरा

इन्दौर में हाटकेश्वर जयंती आयोजन इस बार पश्चिम क्षेत्र में

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष नागर ब्राह्मण समाज के इष्टदेव भगवान हाटकेश्वर की जयंती 10 अप्रैल सोमवार को मनाई जा रही है, जिसमें भगवान के अर्चन, पूजन, अभिषेक, वार्षिक साधारण सभा एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। पूजन एवं अभिषेक श्री राम मंदिर शिवांजलि पारमार्थिक ट्रस्ट सूरज नगर में प्रातः 10 बजे से शुरु होगा। वार्षिक साधारण सभा शाम 7 बजे से श्री हंसदास मठ एयरपोर्ट रोड़ बड़ा गणपति से एयरपोर्ट की ओर दूसरे पेट्रोल पंप के पास, वहीं पर प्रतिभा सम्मान समारोह के पश्चात् भोजन प्रसादी का आयोजन होगा।

म.प्र. नागर ब्राह्मण परिषद् शाखा इंदौर के पदाधिकारियों के लिए सर्वप्रथम अध्यक्ष का चयन/निर्वाचन होगा। चुना हुआ अध्यक्ष अपनी कार्यकारिणी का गठन करेगा, जिसमें उपाध्यक्ष दो, महासचिव, एक सहसचिव, सहसचिव दो, कोषाध्यक्ष एक एवं सदस्य आठा का मनोनयन होना है। जो सदस्य अध्यक्ष पद का इच्छुक हो वह अपना लिखित आवेदन दो अन्य सदस्यों से अनुमोदन करवाकर निर्वाचन अधिकारी श्री नरेन्द्रजी नागर मो. 9893496123 निवास डी.एच. 124 स्कीम नं. 74 पर दिनांक 9 अप्रैल 2017 शाम 5 बजे तक पहुँचा देवें।

प्रतिभा सम्मान हेतु दसवीं, बारहवीं, स्नातक, स्नातकोत्तर की वार्षिक परीक्षा परिणाम 2016 की अंकसूचि के आधार पर किया जावेगा।

सदस्यगण अपने परिवार के 60 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं की अंकसूची श्री ब्रजेन्द्र जी नागर को E-mail : nagarbrajendra251@gmail.com पर एवं श्री हर्ष मेहता मो. 99265-25921 को वाट्सअप पर भेज सकते हैं।

अध्यक्ष जयेश झा, महासचिव हिमांशु पुराणिक, नागर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती शारदा मंडलोई, सचिव श्रीमती सोनिया मंडलोई, सहयोगी संस्थान समस्त नागर विद्योत्तेजक फंड एवं ट्रस्ट, शिवांजलि पारमार्थिक ट्रस्ट जय हाटकेश वाणी, हाटकेश्वर समाचार जय हाटकेश सांस्कृतिक मंच ने सभी समाजजनों से आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

पार्थ, तुम्हें जीना होगा का विमोचन समारोह संपन्न

सुप्रसिद्ध साहित्यकार चित्रा मुद्गल ने वामा साहित्य मंच द्वारा आयोजित समारोह में शहर की जानीमानी लेखिका ज्योति जैन के नवीनतम उपन्यास पार्थ, तुम्हें जीना होगा का विमोचन किया। विमोचन समारोह रविवार को जाल ऑडिटोरियम में हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में साहित्यकार मौजूद थे। सुविख्यात लेखिका चित्रा मुद्गल के साथ साहित्यकार पंकज सुबीर भी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल थे।

पंकज सुबीर ने कहा कि लेखिका ज्योति जैन की इससे पूर्व 6पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। यह उनका प्रथम उपन्यास है। कविता, लघुकथा एवं कहानी संग्रह के उपरांत इस नई विधा में उन्होंने दस्तक दी है। राजनीतिक पृष्ठभूमि पर रची-बसी शिवना प्रकाशन की यह कृति साहित्य जगत में अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराएगी ऐसी उम्मीद की जा रही है। कार्यक्रम के आरंभ में भारती भाटे ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। साहित्यकार चित्रा जी का स्वागत वामा साहित्य मंच की संरक्षक डॉ. प्रेम कुमारी नाहटा तथा शारदा मंडलोई ने किया। पुस्तक के आवरण रूपांकन हेतु चित्रा जी द्वारा शहर के प्रतिष्ठित रंगकर्मी संजय पटेल का स्वागत किया गया। स्मृति चिन्ह डॉ. पारूल बड़जात्या व प्रियल बड़जात्या ने दिए। स्वागत उद्बोधन वामा साहित्य मंच की अध्यक्ष पद्मा राजेन्द्र ने दिया। वामा साहित्य मंच की तरफ से लेखिका ज्योति जैन का सम्मान संस्था की उपाध्यक्ष अमर कौर चड्ढा तथा रंजना फतेहपुरकर ने किया। आभार सहसचिव इंदू पाराशर ने माना। कार्यक्रम का संचालन लेखिका अंतरा करवड़े ने किया।

सत्संग-संग

श्रीमती अनुराधा नागर (उज्जैन)
भागवताचार्य एवं अनुष्ठान
31 मार्च से 6 अप्रैल मक्सी रोड़ पवासा
11 अप्रैल से 17 अप्रैल त्रिपुर सुंदरी मंदिर (उज्जैन)
24 अप्रैल से 30 अप्रैल भेरुगढ़ के पास (उज्जैन)
ग्राम बाढ़कुम्मैद जिला उज्जैन
मो. 9993974488

वर्षा नागर नलखेड़ा (आगर)
12 से 18 अप्रैल बेलडोर (बिहार)
23 से 29 अप्रैल आसुखेड़ी (पीथमपुर) धार
सम्पर्क - शुभम 7898271434

बृज किशोर नागर, घुंसी (शाजापुर)
भागवताचार्य
29 से 5 अप्रैल पिड़ावा (राज.)
20 से 26 अप्रैल पाडल्या (आष्टा)
सम्पर्क- 9406624158

पं.श्री सुधांशु महाराज (खजराना) इन्दौर
भागवताचार्य एवं समस्त पूजापाठ
सम्पर्क- मो. 9926043634

पं.श्री बालकृष्णजी नागर (मक्सी)
भागवताचार्य
30 मार्च से 5 अप्रैल
बलडिया सोन (बेरछा)
सम्पर्क-9826508504

पं.मोक्ष नागर, उज्जैन
भागवताचार्य,
कर्मकाण्ड
सम्पर्क- 9669061143

पं.कमल किशोरजी नागर (सेमली) शाजापुर
पं.प्रभुजी नागर सेमली
गौशाला के लिये
सम्पर्क- 9424034815

पं. श्री दिनेश नागर (खजराना), इन्दौर
भागवताचार्य एवं
समस्त धार्मिक कार्यक्रम
सम्पर्क-9425076819

श्री विनोद नागर गोविन्द जाने
28 से 3 अप्रैल ग्राम मनासा (आगर)
6 से 12 अप्रैल रायपुर (पिपलौद)
सम्पर्क- मनीषजी 9753385712

पं.अजयजी व्यास, इन्दौर
श्री रामकथा एवं
सुन्दरकाण्ड
3 अप्रैल से 11 अनुप नगर, इन्दौर
23 अप्रैल 29 हरिद्वार
सम्पर्क 9424517010

पं.विवेक मेहता, इन्दौर भजन गायक सम्पर्क- 9826633350

सबसे बड़ी चीज है मानवता

एक बार स्वामी परमहंस प्रसिद्ध विद्वान ईश्वर चन्द्र विद्यासागर से मिलने उनके निवास स्थान पर गए। मास्टर भी उनके साथ थे। विद्यासागर संस्कृत कालेज के मेधावी छात्र रह चुके थे और आगे चलकर उसी कॉलेज के अध्यक्ष भी बने। विद्यासागर जी धर्म के ज्ञाता थे, किन्तु किसी को भी धर्मशिक्षा नहीं दिया करते थे। वह दर्शन आदि के भी धर्मग्रन्थ पढ़चुके थे।

मास्टर ने उनसे पूछा, आपको हिन्दू धर्म कैसा लगता है। विद्यासागर जी ने जवाब दिया, मुझे ऐसा लगता है कि यह धर्म जो बात लोगों को समझाना चाहता है उसे ठीक से लोग समझ नहीं पाए हैं। मेरे विचार से तो मानवता ही सबसे बड़ी चीज है। हर मनुष्य को ऐसा बन जाना चाहिए, जैसा वह दूसरो से उम्मीद करता है। इसी से जगत का भला होगा।

विद्यासागरजी को दर्शन की भी अच्छी जानकारी थी। आगे विद्यासागर जी ने कहा, ईश्वर के विषय में तो कुछ भी जानना असम्भव है। इस पर श्री रामकृष्ण ने उन्हें समझाया, ईश्वर ब्रह्मविद्या और अविद्या, दोनों से परे है। इस संसार में सत्य-असत्य, भला-बुरा, ज्ञान-अज्ञान सब कुछ है। लेकिन यह सब मनुष्यों के लिए हैं। ईश्वर इन सबसे परे हैं। जैसे दीपक के सामने चाहे धर्मग्रन्थ पढ़े, चाहे षडयंत्र रचो, दीपक को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उसका तो काम है प्रकाश देना, सब पर समान रूप से प्रकाश डालता है, दुष्ट पर भी और शिष्ट पर भी। इसी प्रकार ईश्वर भी सबके लिए एक समान है। मनुष्य तो संसार के ज्ञान में ही खोया रहता है। विभिन्न तरीकों से खुशी, प्रेम, ईश्वर ऐसे तत्वों को तलाशता रहता है। जबकि वे सब चीजें तो उसके भीतर ही विद्यमान रहती है। हर मनुष्य में मानवता का होना आवश्यक है।

-डॉ.रेनू नागर, मथुरा

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर

शाजापुर कलेक्टर द्वारा अर्चना मेहता का सम्मान

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शाजापुर जिला मुख्यालय के गांधी हाल में आयोजित महिला शक्ति संगम संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम में शाजापुर कलेक्टर श्रीमती अलका श्रीवास्तव द्वारा **गांव देंदला** की बेटी कु. अर्चना पिता श्री प्रकाश मेहता को पत्रकारिता के क्षेत्र में रिसर्च करने, महिला पत्रकारिता को बढ़ावा देने तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में सर्वोत्तम कार्य करने के उद्देश्य से सम्मानित किया तथा महिला सशक्तिकरण शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीवास्तव ने कु. अर्चना को हार्दिक बधाईयां दी एवं अपर कलेक्टर मीनाक्षी सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शीतल भट्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कलाबाई कुण्डला, महिला सशक्तिकरण अधिकारी सुश्री नीलम चौहान द्वारा भी शुभकामनाएं दी गई। समारोह को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती श्रीवास्तव ने कहा कि बेटियों को बेटों की तुलना में कम महत्व मिलता है। जबकि प्रकृति ने महिला एवं पुरूषों को समान रूप से बनाया है। नारी सृजन करती है। वर्तमान में सड़कों, घरों में अक्सर महिलाओं के साथ अन्याय होता है। परिस्थितियों में बदलाव होना चाहिए। इस मौके पर उन्होंने बताया कि पहले की तुलना में महिला साक्षरता दर में बढ़ोतरी हुई है। महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए संबोधन का एलईडी पर प्रसारण भी किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए तथा वाहन रैली भी निकली। उल्लेखनीय है कि कु. अर्चना मेहता ने एक छोटे से गांव देंदला से बहुत कड़े प्रयासों के साथ अपनी पढाई की हैं तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में पीएच.डी. (डॉक्टर ऑफ फिलोसफी) की डिग्री प्राप्त की है।

कु. कल्याणी नागर को कर्मश्री अवार्ड 2016

कु.कल्याणी नागर पुत्री श्रीमती वंदना राजेन्द्र नागर **उज्जैन** को एम.पी.वर्किंग जर्नलिस्ट युनियन द्वारा कर्मश्री अवार्ड २०१६ से नवाजा गया। प्रदेश स्तर पर दिया जाने वाला यह अवार्ड उन्हे सिंहस्थ केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष श्री माखन सिंह व ऊर्जा मंत्री श्री पारस जैन द्वारा सिंहस्थ में उत्कृष्ट कवरेज हेतु दिया गया है। उल्लेखनीय है कि कु.कल्याणी वर्तमान में सिटी केबल उज्जैन की प्रमुख एंकर है उनके कवरेज को म.प्र.स्तर पर एस आर केबल ने भी प्रसारित किया था। प्रथम शाही स्नान का आंखों देखा हाल उन्होंने लगभग आधे घंटे तक दिल्ली दूरदर्शन पर भी प्रसारित किया। उनकी इस उपलब्धि पर डॉ.रमाकांत नागर, श्री संतोष नागर, श्री अभिमन्यु त्रिवेदी, पं.योगेन्द्र त्रिवेदी, श्रीमती सुमन नागर व नागर समाज उज्जैन के अनेक गणमान्य लोगों ने बधाई दी है।

कुमारी हर्षिता का सुयश

वाराणसी स्थित महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ के विज्ञान शास्त्र के 10 टापरों मे 9वे स्थान पर कुमारी हर्षिता नागर पुत्री श्री हरेन्द्र नागेन्द्र पण्डया रही। उन्होने BSc में उच्चतम (भौतिक शास्त्र व रसायन शास्त्र) तथा सकल 82प्रतिशत अंक प्राप्त किये। उन्हें महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ के भव्य दीक्षांत समारोह में डॉ.कस्तूरीरंजन, निदेशक, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान तथा उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाइक की गरिमामय उपस्थिति में पुरस्कृत किया गया।

पृथु नागर को प्रथम स्थान

मलदहिया वाराणसी निवासी श्री पृथु नागर पुत्र श्री राकेश राम नागर ने दैनिक जागरण समाचार पत्र व्दारा आयोजित प्रतिस्पर्धा मे पूरे पूर्वांचल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्री पृथु नागर की इंजिनियरिंग की पढाई करने की इच्छा है। ईश्वर मनोकामना पूर्ण करे।

षष्ठीपूर्ति समारोह सम्पन्न

बड़ोदरा में हमारी माताजी का षष्टीपूर्ति (60 वर्ष) 9 फरवरी समारोह मेरे 38वें जन्मदिन 11 मार्च 2017 को मनाया गया। जिसमें प्राथमिक कथा से कॉलेज तक के शिक्षक, परिवारजन, रिश्तेदार, दोस्त एवं बचपन से लेकर कॉलेज तक के सहपाठी ने हिस्सा लिया। अहिंछात्रा संस्कार केन्द्र भावनगर (प्रश्नोरा नागर बोर्डिंग) में यह समारोह हुआ, जिसमें केक काटने के बजाय पौधारोपण किया गया तथा दीप प्रज्वलित किए गए। सभी ने बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। नागरजन इस तरह की प्रेरणा लें।

-ध्वनित भट्ट, वडोदरा (गुज.)

डॉ.मुकेश कुमार मेहता को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार

डॉ.मुकेश मेहता वरिष्ठ प्रोफेसर पशु-चिकित्सा व पशु-पालन महाविद्यालय, महू इन्दौर म.प्र. को बेस्ट टीचर ऑफ वेटनरी यूनिवर्सिटी चुना गया है। कुलपति डॉ.प्रयाग दत्त जुयाल, नानाजी देशमुख, पशु चिकित्सा विज्ञान, विश्व-विद्यालय, जबलपुर म.प्र. की अध्यक्षता में सत्र 2015-16 के लिये डॉ.मेहता का चयन बेस्ट टीचर के रूप में किया गया। डॉ.मेहता को बेस्ट टीचर का यह सम्मान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सौजन्य से दिया गया। उल्लेखनीय है कि डॉ.मुकेश मेहता, श्री कृष्ण वल्लभ मेहता महू (रन्थभंवर) के सुपुत्र तथा उज्जैन निवासी बालकृष्ण नागर के दामाद है।

श्री सुनील मेहता का मुख्यमंत्री द्वारा सम्मान

सिंहस्थ के दौरान आसन्न आतंकवादी संगठनों की धमकियों के मद्देनजर आसूचना संकलन हेतु 230 अधिकारियों कर्मचारियों की टीम लगाई गई थी। टीम को उत्कृष्ट नेतृत्व प्रदान करने, आतंकी घटनाओं को रोकने के लिए गुप्त सूचनाओं का संकलन बेहतरीन तरीके से करने के लिए और क्राउड मैनेजमेंट में आ रही परेशानियों को समय रहते पॉइंट आउट करके आकस्मिक दुर्घटनाओं को रोकने में अहम् भूमिका निभाने हेतु सुनील मेहता SP (intelligence) विशेष शाखा उज्जैन को मुख्यमंत्री द्वारा सिंहस्थ ज्योति पदक से सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ के दौरान 1 मई से 6मई के बीच तेज हवाएं चलने और उससे पंडाल उखड़कर दुर्घटना के खतरे को सुनील मेहता SP INT ने 23 अप्रैल को ही मुख्यालय रिपोर्ट भेजकर आगाह कर दिया था जिसके परिणाम स्वरुप पंडालों की मजबूती पर प्रशासन ने अतिरिक्त ध्यान दिया इस कारण 5 और 6मई को आई आंधी और तेज बरसात में भी सिंहस्थ जैसे आयोजन में जान माल का अधिक नुकसान नहीं हुआ इस हेतु पुलिस मुख्यालय द्वारा पृथक से इन्हें प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया जा चुका है।

अखिल नागर को डॉक्टरेट की उपाधि

सिंधानिया विश्वविद्यालय (राज.) ने अखिल नागर एम.फार्मा सुपुत्र सौ.सुचिता-अशोक नागर महानंदा नगर उज्जैन को उनके शोध प्रबंध पर Development & Validation Protocol on triozole पर Medicinal Chemistry के तहत सन् 2017 में डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया।

आपने मुम्बई के डॉ.चुघ के मार्गदर्शन में शोध किया एवं वर्तमान में आप पारूल विश्वविद्यालय में सहायक कुलसचिव के पद पर आसीन है।

इस उपलब्धि पर समाजजन एवं हितेषियों ने बधाई दी।

-सौ.रुचि, आशीष मेहता
बड़ौदा (गुजरात)

वैवाहिक (युवक)

आदित्य अनन्त जोशी
जन्मदि. 25-1-1989
समय- 7.20 ए.एम., देवास
कद- 5'7"
शिक्षा- बी.कॉम., एम.बी.ए. (फायनेंस)
कार्यरत- आयशर ट्रेक्टर भोपाल
सम्पर्क- मो. 9425495780, 9630130198

अर्पित हेमन्त दशोरा
जन्मदि. 20-8-1991
समय-8.20 पी.एम., खंडवा
शिक्षा- बी.कॉम., एम.बी.ए. अध्ययनरत
कार्यरत- इवेंट मैनेजमेन्ट एंड फायबर ग्लास मोल्डिंग युनिट
सम्पर्क- उदयपुर (राज.) मो. 9414156022

शुभम दिलीप नागर
जन्मदि. 21-10-1986
समय- 5.20 पी.एम., देवास
शिक्षा- बी.ई. (ई एंड सी) एमबीए (मार्केटिंग) कद- 6'2"
कार्यरत- नोकिया (एमएसएन) एस.ए. सॉल्यूशन इंजीनियर इन पुणे
सम्पर्क- इन्दौर मो. 09826857093, 0731-2592356

सूरज उमेश शर्मा
जन्मदि. 12-4-1991
समय- 7.55 प्रातः, इन्दौर
कार्यरत- व्यवसाय
कद- 5'11", गौत्र- पाराशर
सम्पर्क- 9827898279

सौरभ जे.सी. नागर
जन्मदि. 5-8-1984
8.5 पी.एम, आलोट (रतलाम)
गौत्र- शांडिल्य
शिक्षा- आर.एडीएचएटी सर्टिफाईड इंजी, जेटकिंग, सर्टिफाईड ग्रेज्युएट
कार्यरत- एच.पी. लाईनॅक्स सर्वर एडमिनिस्ट्रेटर इन.एल.आय.सी. भोपाल
सम्पर्क- मो. 9479987733, 9407418266

रोहित अशोक गुरु
जन्मदि. 24-5-1987
समय- 6.00 पी.एम., खंडवा
कद- 5'9", गौत्र- कश्यप
शिक्षा- बी.ई. (CSE 2009)
कार्यरत- टेस्ट एनॉलिस्ट, वार्कले, पुणे
सम्पर्क- खंडवा फोन 9406852088
वाट्सएप 9923349905

रितेश अरुणशंकर याज्ञिक
जन्मदि. 9-8-1989
8.40, ए.एम, नईदिल्ली
शिक्षा- बी.टेक. (ईसीई)
कार्यरत- सरकारी अधिकारी रक्षा मंत्रालय (केन्द्रीय सचिवालय सेना) भारत सरकार नई दिल्ली
सम्पर्क- भगवतगढ़(सवाई माधोपुर)
मो. 8764076354, 9667290357

गीत कुमार नागर
जन्मदि. दिसम्बर 1985
गौत्र- शांडिल्य, कद- 6'2"
शिक्षा- डिप्लोमा इन एयर क्राफ्ट मैंटेनेंस इंजीनियरिंग, बी.बी.ए.
कार्यरत- प्रायवेट कंपनी, इन्दौर
सम्पर्क- मो. 9179970018

अंकित सुबोध कुमार नागर
जन्मदिनांक 24-4-1990,
समय 1.17 पी.एम.,
वाराणसी
कद- 5'4"
शिक्षा- बी.कॉम., एम.बी.ए.
कार्यरत- सेल्स एक्जीक्यूटीव, दिल्ली
सम्पर्क- वाराणसी, 9956928030

कु.नम्रता एम.एम. नागर
जन्मदि. 2-12-1987
समय- 7.55 ए.एम., इन्दौर
कद- 5'2"
शिक्षा- बीटीएस एम.टी.एम. पीजी, जे.एस.सी. टुरिज्म फ्रीलांस ट्रेवल टूरिज्म
सम्पर्क- गुड़गाँव मो. 852741099, 9425393501

शिमोना विनोद मेहता
जन्मदि. 34-1-1990
समय- 11.30 ए.एम., जयपुर
गौत्र- अलुम्भान
शिक्षा- बी.ए., एम.बी.ए.
कार्यरत- योजना विभाग, राजस्थान, सरकार, जयपुर
सम्पर्क- 9001195695, 9001199722

चित्रा गोपालकृष्ण दशोरा
जन्मदि. 1-11-1990,
उदयपुर (राज.)
गौत्र- भारद्वाज (भट्ट)
कद- 5'6"
शिक्षा- बी.टेक. कम्प्यूटर साईंस
सम्पर्क- नाथद्वारा मो. 9414541196, 9414541194

अपूर्वा पीयूष शर्मा (दशोरा)
जन्मदि. 16.12.1991
कद- 5'5"
शिक्षा- बी.टेक. (आई.टी.) आनर्स आई.आई.आई.टी. इलाहाबाद
कार्यरत- सॉफ्टवेअर इंजीनियर बैंगलोर
सम्पर्क- कोटा 9214857557

शिखा स्व. शंकर नागर
जन्मदिनांक 20 फरवरी
सम्पर्क- राऊ, मो. 7697436660

"कोई भी काम शुरू करने के पहले तीन सवाल अपने आपसे पूछो --- मैं ऐसा क्यों करने जा रहा हूँ ? इसका क्या परिणाम होगा ? क्या मैं सफल रहूँगा ?"

चाणक्य सूक्ति वाक्य

श्रीमती अंजना गणेशराम पुराणिक
दिनांक 5 अप्रैल

श्री आशीष कृष्णकांत व्यास
6 अप्रैल
शुभकामनाएँ एवं बधाई- जोशी, नागर, जाधव, तिवारी, त्रिवेदी परिवार
-पी.आर. जोशी
528, उषा नगर एक्स. इन्दौर

स्तुति नागर, भोपाल - 8 अप्रैल
अर्पणा मेहता, हैदराबाद - 12 अप्रैल
पिंटू नाशिक - 13 अप्रैल

दक्ष वोरा, मुम्बई
14 अप्रैल

नताशा वोरा, मुम्बई
21 अप्रैल

वीरेन्द्र शर्मा, बैंगलोर
30 अप्रैल

-गायत्री मेहता, इन्दौर

आर्यदेव (आर्यन) शर्मा
सुपुत्र-पं. आर्यभूषण शर्मा
सौ.ज्योति शर्मा
18 अप्रैल 2010
शुभाकाँक्षी- समस्त परिवार, हाटपीपल्या

वैदिक त्रिवेदी
सुपुत्र राधा-संजय त्रिवेदी
17 अप्रैल
शुभाकाँक्षी- त्रिवेदी, मेहता एवं मंडलोई परिवार

प्रीति रावल
17 अप्रैल
शुभाकांक्षी- दर्शना (पुत्री), धीरज रावल (पति)
मो. 9424553045

अजय शर्मा
2 अप्रैल 1993
शुभाकांक्षी- दर्शना प्रीति धीरज रावल

तिहरी बधाई

जय हाटकेश वाणी के मेलापक अंक से जुड़े रिश्ते सौ.निहारिका, कर्म रावल की विवाह वर्षगांठ की बधाई तथा अतुल कुमार रावल के पौत्र एवं विनोद दशोरा के दौहित्र की प्रथम वर्षगांठ 16 मार्च के अवसर की बधाई तथा कर्म रावल को अपने कार्य क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य के उपलक्ष में प्रमाण पत्र से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई।
समस्त रावल एवं दशोरा परिवार

विमला कैलाश शर्मा
21 अप्रैल
शुभाकांक्षी- दर्शना शर्मा
मो. 9329417666

चाणु अर्पणा
हैदराबाद
14 अप्रैल
- गायत्री मेहता
इन्दौर

शांतम याज्ञिक की उपलब्धियाँ

शांतम याज्ञिक को स्विमिंग के लिए दो गोल्ड मेडल, चार सिल्वर, एक ताम्र मेडल और तृतीय पुरस्कार 1500 मीटर की रेस में प्राप्त हुआ तथा तीसरा पुरस्कार बाधा दौड़ में, द्वितीय पुरस्कार रिले रेस में प्राप्त हुआ। अमृता स्कूल ऑफ बॉयोटेक्नालॉजी की प्रतियोगिता में उपरोक्त पुरस्कार प्राप्त हुए। ज्ञातव्य है कि यह इंस्टीट्यूट केरला का है।

जन्मदिन

आन्या (पीहू)
4 अप्रैल
विवेक-शालिनी मेहता
9926064335

श्रीमती रेखा त्रिवेदी 6 अप्रैल

श्रीमती रत्नप्रभा 5 अप्रैल

श्री रमेश नागर
6 अप्रैल
9977050413 (झालावाड़)

स्तुति शर्मा (नासिक) 8 अप्रैल

कुशाग्र सुरेन्द्र नागर
9 अप्रैल (शाजापुर)

खनक 23 अप्रैल
पूजा-अर्पित त्रिवेदी

मिष्का 22 अप्रैल
नीता-शिरीष पोद्दार
9826066942

पियुष पण्डित
3 अप्रैल
त्रिवेदी परिवार रतलाम
मो. 9826396663

आदर्श 16 अप्रैल
पण्डित परिवार
9425950024

अथर्व 13 अप्रैल
नागर परिवार शाजापुर
9009336766

आयुष 21 अप्रैल
मेहता परिवार नरसिंहगढ़

राघव 8 अप्रैल
अर्चना-श्याम नागर
सारंगपुर

मोहिनी 21 अप्रैल
ममता-विकास शर्मा
डेलची 9977505730

निलाभ 20 अप्रैल
सपना-अजय नागर
तराना 9993371414

तनिष्क 18 अप्रैल
उषा महेश नागर
देवास 9827188130

नमामि 13 अप्रैल
नागर परिवार
शाजापुर 9926023944

अक्षत 22 अप्रैल
व्यास परिवार
भोपाल 9425635290

लवीशका 4 अप्रैल
ज्योति-उज्जवल नागर

अनिरुद्ध 12 अप्रैल
राधा-आशुतोष नागर
रंथभंवर 9826017120

सौम्या 2 अप्रैल
दिव्या-अमित नागर
देवास

हीत 3 अप्रैल
भूमिका-जलज झा
बांसवाड़ा 9702003945

महक 2 अप्रैल
अंजलि-विपूल याज्ञिक
त्रिवेदी परिवार 992844138

अजय 1 अप्रैल
ज्योति-भुवन प्रकाश झा
मो. 9413494082

जतिन 5 अप्रैल
प्रमिला त्रिवेदी
अहमदाबाद 079-26926148

दर्पण 9 अप्रैल
आरती-वरुण प्रकाश झा

सौरभ 23 अप्रैल
कल्पना-श्रीकांत झा
09414251291

भाविक 25 अप्रैल
जया-राजेश झा
बड़ोदा 9830270156

ध्यान 24 अप्रैल
धरा-धार्मिक झा

जन्या 29 अप्रैल
रीना-संजय नागर

मृदुला (मौली) 6 अप्रैल
जया-हेमन्त नागर
राऊ 9826095752

अनिका (कुहू) 10 अप्रैल
निधि-विकास नागर
राऊ 9009855565

अथर्व 10 अप्रैल
प्रीति-संजय नागर
झौंकर 9893073467

रितेश 11 अप्रैल
चारुमित्रा-उमाशंकर नागर
खजराना 9993546454

चन्द्रशेखर 10 अप्रैल
शर्मा परिवार, कुक्षी

प्रियांशी 7 अप्रैल
अंजना-गोविन्द नागर
मो. 9827338722

वैदिक 17 अप्रैल
राधा-संजय त्रिवेदी
उज्जैन 9630111651

सार्थक 8 अप्रैल
संगीता-गजेन्द्र नागर
इन्दौर 0731-2546308

अंशिका 18 अप्रैल
ज्योति-विपिन नागर
थान्दला

अभि 22 अप्रैल
श्वेता-सौरभ दवे
रतलाम

भास्कर 27 अप्रैल

भावेश 23 अप्रैल
अजय-छाया रावल
चापानेर 9630055325

अंजली 13 अप्रैल
लीना-अरुण जोशी
ओंकारेश्वर 9755865325

पलक 11 अप्रैल
योगिता-विकास नागर
शाजापुर मो. 9713375606

योग्य 25 अप्रैल
शीतल-शांतनु पौराणिक
उज्जैन

वैष्णवी 7 अप्रैल
शालिनी-शैलेन्द्र नागर

अभिषेक 19 अप्रैल
नागर परिवार झाबुआ

संस्कृति 25 अप्रैल
वन्दना-विनित नागर
इन्दौर 8889099909

निकुंज 27 अप्रैल
शोभना-सरोज जोशी
खण्डवा 9826774742

विशेष- उपरोक्त जन्मदिन के संदेश कार्यालय में उपलब्ध जानकारी के आधार पर प्रकाशित किए गए हैं। फोटो उपलब्ध नहीं होने की वजह से सिर्फ संदेश ही प्रकाशित हो पाए हैं, इस कॉलम में निःशुल्क ही प्रकाशित कराने के लिए कृपया फोटो सहित बधाई संदेश हमारे ई-मेल jayhotkeshvani@gmail.com पर 20 तारीख से पहले प्रेषित कर देवें। कृपया फोटो नाम सहित भेजें।

विवाह वर्षगांठ

आरती (सेजल) राज 21 अप्रैल
पिपलिया मंडी,
बधाई 9993926667

मनीषा-मुकेश शर्मा 27 अप्रैल
उज्जैन फोन 0734-2516603

शिवाली-आशिष दवे 18 अप्रैल
राऊ, देपालपुर
मो. 9826723641

पार्वती-प्रभुदयाल नागर
26 अप्रैल
खांचरौदा मो. 9826720795

जया-राहुल व्यास 18 अप्रैल
मडावदा मो. 9977764835

अनिता-अशोक नागर
19 अप्रैल
इन्दौर - 9893872960

ज्योति-राजेन्द्र नागर
18 अप्रैल
इन्दौर 9303274678

सीमा-मनीष शर्मा
28 अप्रैल
इन्दौर मो. 9926285002

विपूला-रमाकांत पण्डित
27 अप्रैल
कालमुखी मो. 9425950020

भक्ति-कीर्तिकुमार याज्ञिक
22 अप्रैल
नागपुर मो. 9414011162

चारुलता-दीपक त्रिवेदी
30 अप्रैल
बड़ौदा

श्रुति-योगी झा 30 अप्रैल
मुम्बई

पायल-विवेक त्रिवेदी
28 अप्रैल, बांसवाड़ा

श्रीमती उमा-शांतिलालजी नागर
23 अप्रैल
शाजापुर मो. 9926023944

मेघा-वन्दन नागर 17 अप्रैल
इन्दौर मो. 9413162209

मुदिता-भरत नागर 18 अप्रैल
मुम्बई

सुनिता-वीरेन्द्र नागर 29 अप्रैल
उज्जैन

कृष्णा देवी दिनेशचन्द्र नागर
23 अप्रैल
ब्यावरा 7869930331

रजनी-मौलिक वैध 26 अप्रैल
अहमदाबाद
मो. 9377414343

संगीता-संजय नागर 24 अप्रैल
इन्दौर 9425314886

अलका-नीरज शर्मा 18 अप्रैल
कुरावर मो. 9752291780

राधिका-अंकुश त्रिवेदी
30 अप्रैल
उज्जैन

सोनिया-अनंग नागर 10 अप्रैल
मो. 9727758270

वीणा-नीरज रावल 17 अप्रैल
उज्जैन 9329417666

नेहा-अम्बरीष नागर
उज्जैन

चांदनी (दीपिका)-कुश वैद्य
30 अप्रैल
भौंरासा मो. 9039336906

नीरा मेहता और मंजूला याज्ञनिक के निवास पर रिसड़ा वालों ने नवरात्री के दौरान भजनों का आयोजन किया। प्रेषक- रेखा याज्ञनिक

अनुभूति

एक अहसास, एक स्पर्श, मनोउमंग बरसे,
जीवन के सफर में, हर्षोल्लास भर दे।
नन्ही सी अंगुलियाँ, उन्मादित कर दे,
प्यार भरी झप्पी, खुशियाँ भर दे।
व्याकुल मन कहीं प्रेम को तरसे,
बैचेनियाँ कभी भावुक कर दे।
आती है यादें उन पल-छिन की,
बहते है अश्रु, गंगा-धारा बनके।
जी कहे चल वहीं जहाँ मिले थे कभी,
होगी खुशबू अब भी, वादियों में बसी।
कण- कण चमकते होंगे, स्वेद बन मोती,
पवन भी गाती होगी, हृदय की बाती।
खिल उठे है राजीव नयन, स्मरण ही काफी,
मन सराबोर करदे अनुभूति तुम्हारी।

-नीरा नागर
मुम्बई. 9987768293

वार्षिक भविष्यफल

मेष राशि (चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,अ)-नव संवत्सर 2074 में व्यापार व्यवसाय में अपने अनुभव से सफलता प्राप्त करेंगे,गुप्त विद्या व आध्यात्म में सीखने के लिये लालायित रहेंगे, आय में बढ़ोतरी होगी, सम्पत्ति खरीदने के योग बनेंगे, माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता हो सकती है, आपका स्वास्थ्य अनुकुल रहेगा, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिये पहले से अधिक मेहनत करना होगी, तीर्थ यात्रा के योग बनेंगे, तबादला या नौकरी में बदलाव के योग बनेंगे, मित्रो से सुख प्राप्त होगा तथा नीले रंग के कपड़े का कम प्रयोग करें व किसी भिखारी व कुत्ते को शनिवार के दिन भोजन करावे !

वृषभ राशि (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वु,वे,वो)-नव संवत्सर 2074 में व्यावसायिक व्यय बढ़ सकता है , आलस्य से बचे, विचारित कार्य पूर्ण हो सकते है, संतान पक्ष से दुखी रह सकते है, मित्रों से सहयोग की अपेक्षा न रखे, परिवार के साथ समय बितावें, वात पित्त रोगो से सचेत रहे, प्रतियोगी परिक्षा में परिणाम आप के पक्ष में आने के योग बनते है, छोटी-छोटी यात्राएँ हो सकती है, समय आप के लिये अनुकूल बना हुआ है, मित्रो व परिवार में विशेष पहचान बनेंगी, व आप ऊँ भोमाय नम: मन्त्र का जाप करें व रुद्राक्ष रविवार के दिन धारण करे !

मिथुन राशि (का,की,कु,घ,ड़,छ,के,को,ह)-नव संवत्सर 2074 में साहस व जोश में कमी रहेगी, मेहनत से सफलता संभव, गलत निर्णय से व्यापार में हानि, धन,भूमि,भवन,तथा अन्य सुख सुविधाओं के लिये समय अनुकूल, बाहरी लोगो से आय प्राप्ति संभव, घर परिवार में खुशी का माहोल रहेगा, माता से कष्ट संभव, व्यर्थ, के विवादो दूरी बनाये रखे, पिता के स्वास्थ्य में हानि, आत्म विश्वास व मेहनत से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं, अपने प्रतिद्वन्दियों की कुटनितियो से सावधान रहे, यात्रा मे चोरी या चोट लग सकती है, नोकरी मे प्रमोशन संभव, गाय को हरी घास खिलावे तथा हनुमान जी की आराधना करे !

कर्क राशि (हि,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो)-नव संवत्सर 2074 में आपको पहले से बेहतर अवसर कार्य क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिये प्राप्त होंगे, नया काम शुरु करने के योग बनेंगे, अपने अनुभव से आप आय प्रवाह को तीव्रता प्रदान करेंगे, भावुकता से काम लेने से बचें, माता पिता के लिये चिंता बनी रह सकती है, गृहस्थ जीवन सुखमय रहेगा, स्वास्थय में हानि रहेगी, विदेश से शिक्षा प्राप्ति के योग बनेंगे, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी, अधिकारियों से सम्बन्ध मधुर होंगे, स्थान परिवर्तन के योग संभव, भैरव भगवान की आराधना करें व मिठाई का भोग अर्पण करे !

सिंह राशि (मा,मी,मु,मे,मो,टा,टी,टु,टे)-नव संवत्सर 2074 में कार्य क्षेत्र की सफलता के लिये समय अनुकूल, प्रापर्टी खरीदने के योग बनेंगे, नया घर या आफिस से जुड़ा कोई लेन देन कर सकते हैं, रुके हुए धन की प्राप्ति संभव, व्यवहार को सामान्य बनावें व बच्चो के साथ भी कुछ समय व्यतीत करे, स्वास्थ्य प्रतिकूल रहेगा उदर विकार संभव, आशावादी बने, अधिक प्रयास से ही सफलता संभव, आवश्यकता में ही यात्रा करे, विदेश योग से भी सफलता संभव तथा शनिवार को काली वस्तु का दान करें व चमड़े से बनी वस्तु न खरीदे !

कन्या राशि (टो,पा,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो)-नव संवत्सर 2074 मे धैर्य से समय की प्रतिक्षा करे, आवक जोरदार रहेगी, राजनीति से जुड़े व्यक्तियों के लिये समय अनुकूल रहेगा, आय के नये मार्ग खुलेंगे, अपने से बड़ो की सलाह आप के लिये लाभकारी, भूमि,भवन से लाभ, परिवार जन या मित्रो से सुख प्राप्त होगा तथा अपने पैरो वआँखो का विशेष ध्यान रखे,धन का निवेश सोच समझ कर करे, बोलने मे सावधानी बरते इस माह लोहे की वस्तु न खरीदे व भगवान विष्णु की आराधना करे !

तुला राशि (रा,री,रू,रे,रो,ता,ती,तू,ते)-नव संवत्सर 2074 में आप के व्यवसाय और आय क्षेत्र मे विस्तार होगा व सम्मान व प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे, व्यापार व्यवसाय से लाभ प्राप्त होगा, नौकरी पेशा वर्ग के लिये स्थान परिवर्तन योग बनेंगे, परिवार में सुख शांति बनी रहेगी, संतान प्राप्ति के योग बनेंगे, स्वास्थय का ध्यान रखें, वाहन सावधानी पूर्वक चलावे, तीर्थ यात्रा के योग बनेंगे तथा जोश में आकर कोई निर्णय न लें व मंगल की आराधना करे व लाल वस्तु का दान करे !

वृश्चिक राशि (तो,ना,नी,नू,ने,नो,या,यी,यु)-नव संवत्सर 2074 में भूमि निवेश के लिये अच्छा समय है, लाभ प्राप्ति के उत्तम योग हे, गुप्त तरीको से धन लाभ संभव, अपनी योग्यता दिखाने का अवशर प्राप्त होगा, दाम्पत्य जीवन में अनबन रह सकती है, घर पर शुभ कार्य होंगे, विवाह के योग बनेंगे, हड्डी सम्बंधि रोग की संभावना, नौकरी परिवर्तन के योग संभव, विदेश घूमने के योग बनेंगे, यश प्राप्त होगा, धार्मिक आयोजनों में भाग लेंगे, किसी से व्यापार में साझेदारी ना करे, व केशर का तिलक लगावें व पंछियो को दाना देवें !

धनु राशि (ये,यो,भा,भी,भु,धा,फा,ढ,भे)- नव संवत्सर 2074 में आप लोगों से कार्य निकलवाने की कला में निपूण रहेंगे, शत्रुओं से लाभ

प्राप्त होगा, आप को अनुकूल फलों की प्राप्ति संभव, रोजगार सम्बन्धि योग बनेंगे, घर पर खुशहाली का माहौल बनेगा,संतान पक्ष से सन्तुष्टि प्राप्त होगी, आँखों में कोई रोग हो सकता है ध्यान रखे व शुगर की बीमारी भी संभव, सफलता हेतु कड़ी मेहनत आवश्यक, आय के नए अवसर प्राप्त होंगे, सुबह सूर्य को जल चढ़ावें व मरीजों को फल वितरीत करे !

मकर राशि (भो, जा, जी, जू, जे, जो, खा, खी, खू, खे, खो, गा, गी)-नव संवत्सर 2074 में आर्थिक स्थिती बेहतर होगी, रोजगार के नये साधन मिलेंगे, व्यापार में लाभ प्राप्त होगा, व्यवसाय में अलग पहचान स्थापित होगी, भूमि,भवन का विस्तार करने में सफल होंगे, उतार चढ़ाव की स्थिति पर भी लाभ प्राप्त होगा, परिवार जन से मन मुटाव बनेगा, मुत्र सम्बन्धि रोग हो सकता हे, शिक्षा के क्षेत्र में कि गई मेहनत का फल अवश्य मिलेंगा, यात्रा अधीक होगी, पर यात्रा से लाभ मिलेगा, आप सरस्वती देवी की उपासना करे व वस्त्र दान करें !

कुम्भ राशि (गू,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,दा)-नव संवत्सर 2074 में व्यवसाय में व्यय बढ़ेगा, मानसिक परेशानियाँ बढ़ सकती है, राजनीति में कदम रख सकते हैं, आर्थिक स्थिति प्रबल होने के योग बनेंगे, अनुभवी व बुजुर्ग व्यक्ति के सहयोग से व्यवसाय में सफलता प्राप्त होगी, परिवार के साथ यात्रा होगी, जीवनसाथी के साथ तालमेल बना कर चलें, अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें, हवाई यात्रा के योग संभव, भूमि लाभ संभव, आप का जीवन सामान्य रहेगा तथा शिव जी की आराधना करें व पीपल में जल चढ़ावे !

मीन राशि (दी,दू,थ,झ,त्र,दे,दो,चा,चि)-नव संवत्सर 2074 में व्यवसाय में मिश्रित फल देने वाला साबित होगा, नोकरी में अधिकारीयो से बहस संभव, भाग्य का सहयोग मिलेगा, घर परिवार मे कोई महत्वपूर्ण कार्य होगा, दाम्पत्य जीवन सामान्य रहेगा, विवाह के योग बनेंगे, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे, भूमि, वाहन खरीदने के योग बनेंगे तथा अपने परिवार के साथ तीर्थ यात्रा पर जा सकते है एवं देवी की आराधना करे व प्यासे को पानी पिलावें या जल सेवा करे !

ज्योतिर्विद् पं. जितेन्द्र
नारायण नागर सैलाना जिला
रतलाम म.प्र.
मो.9907200799

लघुकथा आदत से मजबूर

प्यारेलाल जरुरतमंद की सहायता करने के लिए हमेशा तैयार रहते थे। इस कारण उन्हें कई बार बड़ी बड़ी मुसीबतों का सामना भी करना पड़ता था पर वे उसकी परवाह नहीं करते थे। पत्नी बच्चे और मित्रगण उन्हें समझाते भी थे कि जमाने की चाल देखो और सहायता वहायता के चक्कर में मत पड़ो पर उसके जवाब में वे उनसे ही सवाल कर बैठते कि जब रिश्वतखोर रिश्वत लेना नहीं छोड़ते, भ्रष्ट साधनों से धन कमाने वाला नहीं सुधरता, अयोग्य आदमी भी अपना सम्मान करवाने के लिए जमीन आसमान एक कर देता है तो मैं तो नेक काम करता हूं , मैं घबरा कर अपना कर्तव्य कैसे छोड़ दूं। उधर तीन चार बार मना करने के बावजूद उधारीमल ने तय कर लिया था कि वह उनसे उधार ले कर ही रहेगा। प्यारेलालजी की कमजोरी उसे पता थी और अब उसने तय कर लिया कि वह मुसीबत का मारा बन कर ही अपना काम निकालेगा। एक दिन मौका पाकर उसने उनके सामने अपनी दयनीय दशा का ऐसा खाका खींचा कि प्यारेलालजी का दिल आखिरकार पिघल ही गया और उन्होंने उसे दस हजार रुपए उधार दे दिये। उनकी आर्थिक सहायता का मतलब था कि वे सौ दो सौ रुपये देकर वापस नहीं लेते थे और कितनी ही ज्यादा रकम हो ब्याज नहीं लेते थे। उधारीमल ने उन्हें विश्वास दिलाया कि दो तीन महीने में वह सारी रकम वापस कर देगा पर छह महीने बीत जाने के बाद भी उसने एक पैसा भी नहीं चुकाया। एक दिन प्यारेलालजी उसके घर पहुंच गये। उधारीमल अपने मेहमानों और मित्रों के साथ बैठा गपशप कर रहा था। उन्होंने उसे रुपये चुकाने के लिए कहा। उधारीमल दस लोगों के बीच इस तरह रुपये मांगने से अंदर ही अंदर आग बबूला हो गया पर प्रकट में उसने कहा कि वह कल रुपये चुका देगा। वास्तव में वह मन ही मन किसी खुराफात को अंजाम देने की बात भी सोच रहा था। उसका जालसाज दिमाग कुछ और ही उधेड़बुन में लगा हुआ था। दूसरे दिन उसने अपनी पेंट की एक जेब में छुरा और दूसरे में दस हजार रुपए रख लिए। फिर उसने प्यारेलाल की तरफ से दस हजार रुपए की एक प्राप्ति रसीद बना कर रख ली। सारी तैयारी करके उसने फोन करके उसे रास्ते में पड़ने वाली एक सुनसान सड़क पर आने के लिए कहा। जैसे ही तय स्थान पर प्यारेलाल पहुंचे, उसने उन्हें दबोच कर सीने पर चाकू अड़ा दिया और प्राप्ति रसीद निकाली और दपट कर कहा, जान की खैर चाहते हो तो इस पर साइन कर दो। प्यारेलालजी ने बिना भयभीत हुए शांत भाव से कहा-ये रकम कई मुसीबत के मारे लोगों के काम आएगी, इसलिए लेना चाहता था, अगर तुम खुद को उन लोगों से ज्यादा जरूरतमंद समझते हो जबकि हो नहीं तो भी मैं साइन करने को राजी हूं। पर बात पूरी होने के पहले ही उधारीमल ने हड़बड़ाते हुए चाकू जेब के हवाले किया और रसीद को फाड़ कर फैंक दिया और दस हजार रुपए निकाल कर उनके हाथ में थमा दिये और वाणी में मिठास भरकर मुस्कराते हुए कहा-नहीं नहीं ये आप ही रखिए। प्यारेलाल इस आकस्मिक हृदय परिवर्तन को तब समझे जब पुलिस की गश्ती जीप उनके पास आकर रुकी। पुलिस को देख कर उधारीमल एक जिम्मेदार नागरिक बन चुके थे। उसने पुलिस आफिसर से निवेदन किया-ये बहुत परोपकारी आदमी हैं, मैं इन्हें, घर छोड़ने जा रहा था पर मुझे एक काम याद आ गया है, कह कर वह मुंह लटकाए घर की ओर चल दिया।

-आशा नागर, सी- 12/9, ऋषिनगर , उज्जैन

मातृत्व की प्रतिमूर्ति

आप गई वैसे कोई जाता नहीं,
यह सच है कि दुनिया में कोई सदा रहता नहीं।
हम से दूर होकर भी हमारे पास है,
आप हमारे जीवन की एक आस है।
आज भी आपकी आत्मा हमें राह दिखाती है।
प्रेरणा प्रदान करती है।

स्व.सौभाग्यवती लक्ष्मी मेहता का जन्म सन् 1954 को मालवाचंल में नागरों की कुलदेवी माँ अन्नपूर्णा के निवास स्थान प्रसिद्ध ग्राम लसुल्डिया ब्राह्मण में स्व. पं. नारायण प्रसाद शुक्ल माता स्व. पवित्रा देवी शुक्ल के घर हुआ था। स्व. लक्ष्मी मेहता बचपन में लाड़,प्यार से पली। स्व. नारायण प्रसाद शुक्ल की छः संतान में दो पुत्र ओमप्रकाश शुक्ल, संतोष शुक्ल एव चार पुत्री स्व.आशा मेहता, स्व.लक्ष्मी मेहता, हेमलता नागर, दुर्गा मेहता में आप दूसरी संतान के रूप में थी।

आपका विवाह नागर समाज के प्रतिष्ठित ग्राम देंदला निवासी स्व. प्रहलादनारायण मेहता पूर्व सरपंच, पूर्व न्याय पंचायत सरपंच, पूर्व 20 सूत्रिय समिति के सदस्य के जेष्ठपुत्र कथावाचक पं. लालशंकर मेहता के साथ 1968में हुआ। विवाह समारोह में हमारे भानेज स्व. वल्लभदास मेहता के सुपुत्र एवं ध्यान योगगुरू विश्वसंत हनुमानभक्त पं. विजय शंकर मेहता एवं वर्तमान में इंजीनियर श्री संजय मेहता अमेरिका तथा मेरा यज्ञोपवित संस्कार सम्पन्न हुआ। सन् 1971 में भाई सा. की सेवा राज्य परिवहन निगम भोपाल में प्रारंभ हुई। मैं भी भैया-भाभी के साथ पढ़ने भोपाल गया। सन् 1973 में भाईसां. का स्थानांतरण शाजापुर हो गया, मैं तथा मेरे साले ओमप्रकाश शुक्ल को भैया-भाभी ने पुत्रवत रखा। एवं हमारी पढ़ाई भी इनके संरक्षण में हुई तथा संयोगवश भाभी की छोटी बहन सो.दुर्गा मेहता के साथ सन् 1983 में मेरा विवाह हुआ, एवं उनके भ्राता श्री ओमप्रकाश शुक्ल का भी विवाह उन्होने करवाया। आपने 3 पुत्रों राजकुमार मेहता, कृष्णकांत मेहता एवं आनन्द मेहता को जन्म दिया, तथा पढ़ा-लिखाकर योग्य बनाया व उनके विवाह सम्पन्न कराये।आपने अपनी एक पुत्री कल्पना मेहता छोटी बहन एवं देवरानी की पुत्री को भी पाल पोसकर लाड़कुई जिला सिहोर निवासी श्री ओमप्रकाशजी नागर के छोटे सुपत्र श्रीसंजय नागरको सन् 2006में कन्यादान दिया।

बाके बिहारीसंस्थान शाजापुर के तत्वावधान में प्रतिवर्ष लगभग 300 भक्तों का जत्था गिरीराजजी, मथुरा, वृन्दावन की यात्रा पर जाता है, जिस में पं. लालशंकरजीमेहता की भागवतकथा का आयोजन इन स्थानों पर यात्रा के साथ-साथ होता है।जहां पर इसी कड़ी में 02 फरवरी 2017 को भाईसां. को भाभी के साथ गिरिराज, मथुरा, वृन्दावन यात्रा के लिये जाना था।लेकिन विधि के विधान को कोई नहीं टाल सकता। 28जनवरी 2017 शनिवार को हृदय गति रूक जाने के कारण सदा-सदा के लिये संसार से बिदाई लेकर दिव्य ज्योति में लीन हो गई। आप मिलनसार, कर्मयोगी, धार्मिक, परोपकारी, निर्मल हृदय व निष्ठावान थी।मात्र स्वरूपापूज्य भाभी जी को हृदय से श्रद्धा सुमन समर्पित करते हुए आपके श्री चरणों में भावपूर्ण विनम्र श्रद्धांजली।

जेष्ठ देवर-बी.एल.मेहता, उपाध्यक्ष म.प्र.नागर ब्राह्मण परिषद
शाजापुर म.प्र. मो.न. 9425034954, 9977552453

श्री श्यामसुन्दर नागर, शाजापुर

शाजापुर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री शिवप्रसाद नागर के अनुज तथा मृत्युंजय तथा धनंजय नागर के पिताश्री, नागर के वरिष्ठ समाजसेवी, सेवानिवृत्त शिक्षक श्री श्याम सुन्दर नागर निवासी खोरिया एमा का हृदयघात से 64 वर्ष की उम्र में शनिवार को निधन हो गया। उनकी शवयात्रा उनके निज निवास स्थान विजय नगर कालोनी शाजापुर से निकली जिसमें गणमान्य नागरिकों, समाजजनों ने भाग लेकर श्रद्धांजलि अर्पित की। दैनिक अवन्तिका परिवार और जय हाटकेश वाणी पत्रिका की ओर से प्रतिनिधि राजेश नागर ने उपस्थित हो कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि ईश्वर उनकी आत्मा को चिर शान्ति प्रदान करें व नागर परिवार को इस असहय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

पं.बाबूलालजी नागर

अरुण नागर व अनिल नागर के पिताजी पंडित बाबूलाल जी नागर (ब्राह्मण लसुलड़िया) का निधन हो गया है। श्रद्धांजलि।

श्रीमती मनोरमा बाई नागर, बेरछा

नागर ब्राम्हण समाज के वरिष्ठ समाजसेवी तथा घटीया ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच देवीलाल नागर की माताजी व चन्द्रप्रकाश नागर की दादी मनोरमाबाई नागर का निधन 4 मार्च को हो गया। जिनका अंतिम संस्कार रविवार सुबह 10 बजे किया गया। जिसमें डॉ मनोहरलाल शर्मा, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष शलभ शर्मा, डॉ ओमप्रकाश नागर, हेमंत दुबे, बाबुलाल नागर, महेश नागर, रमेशचन्द्र व्यास कृष्णकांत व्यास लसुडीया ब्राम्हण, विवेक शर्मा, विनोद रावल सहित सैकडों ब्राम्हण समाज के लोगों सहित आसपास क्षेत्र रंथभंवर, तिलावद, देंदला, बालोन, पीपलरांवा, शाजापुर, उज्जैन आदि स्थानों से शामिल समाजसेवी, जनप्रतिनिधियों ने उन्हे श्रद्धांजलि दी।

श्री वीरेन्द्रकृष्ण नागर, हावड़ा

1-दिनांक 20 फरवरी 2017 को नयाघाट वाराणसी निवासी वर्तमान में हावडा निवासी श्री वीरेन्द्रकृष्ण नागर का संक्षिप्त बिमारी के कारण निधन हो गया। आप अत्यधिक धार्मिक प्रवृत्ति के परन्तु आधुनिक विचारधारा के व्यक्तित्व के धनी थे। आप राष्ट्रीयकृत बैंक से सेवानिवृत्त थे। प्रतिदिन प्रात: भ्रमण आपकी दैनिकचर्या की मुख्य गतिविधि थी। चेहरे पर सदाबहार मुस्कान आपकी अमिट पहचान थी।

पं.नित्यानंदजी नागर, सांवेर

लेन प्रथा बंद कर राशी समाज की धर्मशाला के विकास में भेंट दी

हमारे पूज्य पिताजी पंडित नित्यानंद जी त्रिवेदी सांवेर जिला इंदौर का 90 वर्ष की आयु में दिनांक 19-3-17 को स्वर्गवास हो गया है गरिमामय शव यात्रा में मुक्तिधाम पर नागर समाज एवं सांवेर के प्रबुद्धजनों ने शामिल होकर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। इस दुखद समय में पधारे समस्त जनों का हम हृदय से आभारी है।

इंदौर जिले के सांवेर नगर में राजकिशोर त्रिवेदी अनुज शरद त्रिवेदी ने पिताजी पंडित नित्यानंद त्रिवेदी के उत्तर कार्यक्रम में लेन प्रथा एवं ओकल प्रथा को बंद कर, लेन प्रथा में अनावश्यक रुप से खर्च होने वाली राशी को माता-पिता की स्मृति में हाटकेश्वर धाम उज्जैन एवं उनके पैतृक ग्राम पीपलरावां जिला देवास की धर्मशाला में प्रदान कर संपूर्ण समाज से इस प्रकार की प्रथाओं को बंद करने का निवेदन किया गया।

माँ घर के आँगन की तुलसी है वृन्दावन है...
माँ यादों में कल थी, कल रहेगी और आज भी है...

श्रीमती इन्दिरा पण्डित
अवसान 11 अप्रैल

माँ शब्द के आते ही आँखों के सामने वही ममता रुपी वात्सल्य से भरा रूप सामने आ जाता है, बस उसी क्षण लगता है वे प्रत्यक्ष रूप से हमारे समीप आ जाये काश ऐसा हो पाता....

हमारी माँ श्रीमती इन्दिरा पण्डित (इन्दुजीजी) को गए कई वर्ष बीत गये, लेकिन आज भी उनकी यादे ताजा है। एक प्रभावशाली व्यक्तित्व वाली सशक्त महिला के रूप में वे समाज घर, गाँव सभी जगह पहचानी जाती रही है। हर किसी के दु:ख-सुख की भागीदारी बनी। डॉ.पण्डित के इस भरेपूरे परिवार का बखूबी संचालन किया और परिवार में सभी की चहेती बनी रही। जीवन का अधिक समय उन्होंने खण्डवा (म.प्र.) के पास छोटे से ग्राम कालमुखी में व्यतीत किया। हमारे पिता वहाँ सरकारी डॉ.थे। अपने सभी बच्चों को उचित संस्कार शिक्षा सभी का ध्यान रखकर अपना कर्त्तव्य बखूबी निभाया। वे हर वक्त मुस्कुराते हुए सारे कार्य सम्पन्न कर लेती थी। ये उनका बड़ा गुण था।

-अणिमा दीप याज्ञनिक
बागुइहाटी, कोलकाता
9831724829

पुण्य स्मरण

बच्चों को अपनत्व के साथ संस्कारी चरित्र का गठन करना
स्व.श्रीमती लक्ष्मीबाई (जीजी)
राधाकृष्ण जोशी
18 अप्रैल 2017
श्रद्धावनत- समस्त जोशी, जया नागर, जाधव, तिवारी परिवार
-पी.आर. जोशी, इन्दौर

किसी कार्य को कभी भी कल पर नहीं छोड़ना चाहिए अगले पल क्या हो जाए कौन जानता है

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

स्व.श्री कैलाशचन्द्रजी शर्मा
23 अप्रैल 2013
देवास संजय
9630588566

स्व.श्री जानकीलालजी नागर
14 अप्रैल 2009
इन्दौर- सीमा-मनीष शर्मा
9926285002

स्व.श्रीमती नितीशा मेहता
5 अप्रैल 2007
इन्दौर 9893888498

स्व.श्री बापूलालजी शर्मा
28वाँ पुण्य स्मरण
11-4-89
उज्जैन मनीषा शर्मा

स्व.श्री रमेशचन्द्रजी नागर
7 अप्रैल 27वाँ पुण्य स्मरण
नागर परिवार सामगी
9424074071

स्व.श्रीमती रामप्यारी देवी
15-4-11
सेमली प्रभुजी 9424077777

स्व.श्री रामवल्लभजी नागर
22 अप्रैल
इन्दौर मनोज नागर 9425320356

स्व.श्री विजयकुमार दीक्षित
10 अप्रैल 2009
इन्दौर राकेश दीक्षित
9827793545

स्व. डॉ.यामिनी भूषण शर्मा
19वाँ पुण्य स्मरण
बिष्ठान- डॉ.रवि 9826835788

स्व.डॉ.पी.एन. नागर
24-4-2008
उज्जैन, डॉ.संजय नागर
9827637771

श्रीमती लीलादेवी मेहता
15 अप्रैल 2011
नईदिल्ली, आलोक मेहता

स्व.कु.पायल (मोना) पंचोली
5 अप्रैल 2011
इन्दौर, श्री अशोक पंचोली

स्व.श्री रघुनंदनजी पौराणिक
5 अप्रैल 2011
उज्जैन, सौ.अर्चना डॉ.प्रदीप व्यास

स्व.श्रीमती शकुंतला नागर
तीज गणगौर 6 अप्रैल 2011
इन्दौर, श्यामसुन्दरजी नागर
9893356711

स्व.श्री चम्पालालजी दवे
अप्रैल 11
बांसवाड़ा

स्व.श्रीमती आशा पुराणिक
18 अप्रैल 2007
उज्जैन, विभा नागर
0734-2510240

स्व.श्री ओमप्रकाशजी शर्मा
18-4-10
राजेश शर्मा, इन्दौर

स्व.श्री शशिकांतजी मेहता
14 अप्रैल 2012
मेहता परिवार, रतलाम

श्री लक्ष्मी नारायणजी रावल
23 अप्रैल 2003
भोपाल, मनमोहन नागर

स्व.श्रीमती मनोरमा नागर
14 अप्रैल 2009
होशंगाबाद, अनिल नागर

कु.लिपी दवे
10 अप्रैल 2014
जयपुर, अजय दवे
9414921986

स्व.श्री पं.प्रभुलालजी नागर
25 अप्रैल 2014
ग्राम मवासा, पं.राधेश्याम शर्मा

स्व.श्रीमती अम्बादेवी नागर
16-4-2009, जनापुर असोटिया,
ताराचन्द्रजी नागर

स्व.श्री लक्ष्मणरामजी नागर
10-4-2014
कोलकाता, नागर परिवार

स्व.श्री प्रभाकर दीक्षित
29 अप्रैल 14
खण्डवा, प्रदीप दीक्षित

स्व.श्री भवानीशंकरजी नागर (सुतारखेड़ा)
10 अप्रैल 2014
करनावद (घुंसी),
कल्पना-मनीष नागर

स्व.श्री सुभाषचन्द्र त्रिवेदी
26 अप्रैल 2015
राऊ, कु.महिमा त्रिवेदी

स्व.श्रीमती सुशीला ठाकोर,
25 अप्रैल 2015
बूंदी (राज.), ठाकोर परिवार

स्व.श्री राजेन्द्रजी नागर
8 अप्रैल 2015
बापचा, डॉ.अशोक नागर

स्व.श्री गोकुल प्रसादजी नागर
18 अप्रैल 2015
चौमा, हरीश नागर

स्व.श्रीमती शांतिबाई नागर
17 अप्रैल 2011
ब्यावरा, नरेन्द्र नागर

स्व.श्री दिनेशजी पंचोली
30 अप्रैल 2016
इन्दौर, विजेश पंचोली

श्रीमती कांता नागर
8 अप्रैल 2016
नागदा, विजय नागर

स्व.पं.श्री रमेशप्रसाद रावल
25 अप्रैल 2016
इन्दौर, भावेश रावल

स्व.श्री संजय जोशी
16 अप्रैल 2016
इन्दौर, मानसी जोशी

स्व.पं.श्री कैलाशनारायण नागर
15 अप्रैल 2016
भोपाल, नागर परिवार

स्व.श्रीमती बसन्तीबाई व्यास
15 अप्रैल 2016
इन्दौर, शैलेन्द्र व्यास

स्व.श्री जयरामजी नागर
7 अप्रैल 2016
वाराणसी, नागर परिवार

स्व.श्री कृष्णारामजी नागर
3 अप्रैल 2016
इलाहाबाद, नागर परिवार

स्व.श्री रमेश नागर
23 अप्रैल 2016
उज्जैन- नागर परिवार

माँ की याद आए

पर श्रद्धेय आदरणीय जोधपुर वाली माताजी के चरणों में अश्रुपुरित श्रद्धांजलि समर्पित

तर्ज- वो जब याद आये बहुत याद आये

माँ की याद आये, बहुत याद आये।
माँ की याद आये, गजब याद आये।
मन घबराये अँखियाँ भर-भर आये।
मन अकुलाये अँखियाँ नीर बहाये। माँ...
(1) जब हम रोते थे गोद में बिठाये।
आंचल में लेती थी हमको छिपाये।
मुख चूम के हमको गले से लगाये। माँ...
(2) बड़े प्रेम से हमको पलना झुलावे।
रातों की अपनी सारी नींद भी गवांये।
गा-गा के मीठी लोरी हमको सुलाये। माँ...
(3) कभी हमको रोते माँ नहीं देखती थी।
हँसकर के वो तो सारे दुख झेलती थी।
अब हम रोते हैं माँ मुस्कुराये। माँ...
(4) कभी हमको ऐसा भी धोखा हुआ है।
माँ ने जुदाई का गम जो दिया है।
प्रभु धाम जा रही मां मन में हरषाये। माँ...
(5) हाय रे विधाता तूने ये क्या कर डाला।
तूने हमको माँ से क्यों जुदा कर डाला।
है भगवान तूने क्या दिन दिखाये। माँ...
(6) नागर को कोई माँ का पता तो बता दे।
कोई आके मुझको मेरी माँ से तो मिला दे।
प्रभुधाम गई माँ वो कभी लौट के ना आये। माँ...

-सुमनलता नागर
मोहन बड़ोदिया, जिला शाजापुर

नानाजी के साथ बिताए पल हमेशा याद रहेंगे

पं.रमेशप्रसाद रावल
अवसान दिनांक 26 अप्रैल 2016

इंसान को किसी वस्तु का मूल्य तब ज्ञात होता है जब वह वस्तु उसके पास नहीं होती। आज जा के समझ आया कि मेरे प्यारे नानाजी जिन्हें हम बहुत विद्वान, गुणवान, धैर्यवान समझते थे। वे दरअसल इन सब से कहीं अधिक थे। किसी ने इस दिन की कल्पना भी नहीं की होगी। मेरे नानाजी के बारे में तो शब्दों के जरिए कह पाना बहुत कठिन है परन्तु भावनाओं से सराबोर मेरे इस हृदय को हल्का करने के लिए लिखना ही पड़ेगा। मेरे नानाजी... रमेश प्रसादजी रावल। मेरे सबसे बड़े मार्गदर्शी। हमेशा सबके साथ प्रेम से रहने वाले। नम्रता की प्रतिमूर्ति। मेरे लिए वे दोस्त से कम नहीं थे।

उनकी बातों में हमेशा दिलचस्पी रहा करती थी। उनके साथ मस्खरी करने का भी अलग ही आनन्द था। परिक्षाओं से पहले चिंता से मैं पानी-पानी हो जाता था। तब नानाजी के ये शब्द अरे साईंस, साईंस में तो तू चैंपियन है न जाने कुछ ऐसा असर कर जाते कि अचानक आत्मविश्वास का मेरे अंदर ऐसा विस्फोट होता कि सारी परीक्षाओं में टॉप मार देता। अब न जाने वे शब्द मुझे कौन बोलेगा। अब किसी और के बोलने से वह आत्मविश्वास आ पाना, असंभव है और ये सब बातें आप उनके किसी भी परिचित से पूछ लें। उनकी एक मुलाकात में तो लोग उनके स्वभाव के दीवाने हो जाते थे। वे विपरीत परिस्थितियों में भी उनके हर परिचित की तन, मन, धन से सहायता करने के लिए सदैव तत्पर रहते। उनकी दिनचर्या का आरंभ होता पूजा-पाठ के साथ।

सुबह 5.30 बजे उठकर नहा-धोकर वे हो जाते व्यस्त पूजा में। ईश्वर के प्रति उनका श्रद्धा भाव देख के मैं अचंभित रह जाता था। जब भी मैं नानी हाउस जाता तो मैं भी वहाँ उनके साथ पूजन करता, वे मुझे नए-नए पाठ सिखाते एवं मुझसे फिर पूछा भी करते। उन्होंने ईश्वर से कभी कुछ नहीं मांगा। उनके अंदर इतना कुछ होने के बावजूद रत्ती भर भी गुरुर नहीं था। वे रिटायरमेंट से पहले बैंक में बड़े अदब वाले ओहदे पर थे। हर राखी एवं ग्रीष्मावकाश में सारी मौसियों का वहाँ जमावड़ा लगता। नौटंकी चलती ही रहती। कोई तब का किस्सा सुनाए तो कोई अब का। उनमें से अधिकतर किस्से तब के होते जब मेरे मामा-मम्मी हमारी उम्र के रहे। नानाजी के साथ बिताया हर पल वे वहाँ बताते। नानाजी के संस्कार ही हैं जो इनके सारे बच्चे इतने जमीन से जुड़े हुए हैं। मेरे दादाजी और नानाजी की खूब चलती थी। जब भी इनकी धर्मपत्नियाँ पीहर गई नहीं कि ये एक-दूसरे को फोन करके बोलने लगते 'क्यों सर आजादी दिवस मना रहे हो'? मैं उनके नृत्य भंगिमा की बहुत अच्छी नकल उतार के उन्हीं के समक्ष नानी के साथ नाचता। फिर मैं उन दोनों को रफ्ता-रफ्ता पे नचाता। और क्या नाचते वे। वे पल शायद मेरी जिंदगी के सबसे खुबसूरत पल थे। न जाने वे सारे पल कहाँ गए? नानाजी के बारे में मुझसे कुछ पूछे तो मैं घंटों बता सकता हूँ। परन्तु अभी के लिए बस इतना ही। अंत में सिर्फ यह कहता हूँ कि-

आपके बोल, आपकी बातें न जाने कहाँ गए?
वो नज़ाकत भरे लम्हे
जो आपके साथ गुजारे हमने
उन सब में आप जिंदा रहोगे।
मैं जब तक हूँ तब तक आप ही मेरे गुरु रहोगे।
आप ही मेरे गुरु रहोगे।

-चिरायु हर्ष मेहता, इन्दौर

श्रद्धावनत् - सौ.अलका अक्षय मेहता
सौ.सरोज अजय नगर, सौ.प्रीति विजय नागर,
सौ. साक्षी हर्ष मेहता, भावेश-सौ.अंजलि रावल

MPHIN/2007/19763 जय हाटकेश वाणी डाक पंजीयन RO/IDC/42/2016-18

50वीं विवाह वर्षगांठ की बधाई

सदाशिव-सौ. लीलावती नागर

दिनांक 18-4-1968

:: बधाईकर्ता::

दीपक-कविता, विपुल-पूजा नागर

ज्योति-शैलेन्द्र व्यास इन्दौर, रानी-अनुराग नागर, उज्जैन

18, विश्वेश्वर धाम कॉलोनी,

एयरपोर्ट रोड़, इन्दौर

मो. 9826054878

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मनीष शर्मा द्वारा शिवप्रभा प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स, 20-ए, जूनी कसेरा बाखल, इन्दौर से मुद्रित एवं यहीं से प्रकाशित।
सम्पादक : सौ.संगीता शर्मा (44) मो. 94250 63129
LATE POSTING